'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र'

समाचार गेट

वर्ष 01, अंक 21 पृष्ठ 08 मूल्य 03 रूपए शनिवार, 06 अप्रैल 2024 TITLE CODE : HARHIN11569

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने विजय संकल्प रैली से किया सिरसा में लोकसभा चुनाव का शंखनाद

नरेन्द्र मोदी के 10 साल कांग्रेस के 55 साल पर भारी: नायब सैनी

मोदी ने देश का कायाकल्प किया, नंबर वन बनाने को कृतसंकल्प : नायब सैनी

मोदी सरकार ने किसान हित में अभूतपूर्व कार्य किए, जबकि कांग्रेस किसानों को झूठ बोलकर बरगला रही: नायब सैनी

नायब सैनी, सुभाष बराला, सुनीता दुग्गल आदि नेताओं ने किया भाजपा प्रत्याशी अशोक तंवर को रिकार्ड मतों से जिताने का आह्वान

रतिया की अनाजमंडी में विजय संकल्प रैली में उमड़ा जनसैलाब

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़। सिरसा संसदीय क्षेत्र के रतिया में शुक्रवार को विजय संकल्प रैली से बीजेपी ने अपने चुनाव प्रचार का शंखनाद कर दिया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने विजय संकल्प रैली में पार्टी प्रत्याशी डा. अशोक तंवर को अपना आशीर्वाद देकर लोकसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 400 पार के नारे में आहूति डालने का आह्वान किया।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश का कायाकल्प किया है और वे देश को दुनिया में नंबर वन देश बनाने के लिए कृतसंकल्प हैं। उनकी सोच है कि हर घर के ऊपर छत हो और हर पेट को रोटी हो, इसके लिए लगातार हमारी सरकार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री आज रतिया में सिरसा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी डॉ. अशोक तंवर के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

अनाजमंडी में उमड़े जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने भाजपा प्रत्याशी डा. अशोक तंवर को ऊर्जावान व कर्मठ नेता की संज्ञा देते हुए नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा किए गए कार्यों का एक-एक करके ब्यौरा दिया। विजय संकल्प रैली में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, सिरसा की सांसद रही सुनीता दुग्गल, हरियाणा सरकार में मंत्री डा. कमल गुप्ता, रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा, फतेहाबाद के विधायक दुड़ाराम, भाजपा के जिलाध्यक्ष बलदेव ग्रोहा, हरियाणा राज्य कृषि विपणन मंडल के चेयरमैन आदित्य देवीलाल, लोकसभा प्रभारी वेद फूलां, चेयरमैन भारत भूषण मिढ़ा व सुरेंद्र आर्य आदि नेताओं ने भी अपना संबोधन रखा। सीएम नायब सैनी ने कहा कि हम देखते थे हमारी माताएं बहनें सिर पर मटका लेकर पानी के लिए दूर-दूर जाती थीं, लेकिन बीजेपी की सरकार आने पर उनके लिए घर तक शुद्ध पानी की व्यवस्था की गई। प्रधानमंत्री ने महिलाओं की पीड़ा को समझते हुए अलग से मंत्रालय की व्यवस्था की। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि गरीब व्यक्ति के इलाज के लिए प्रधानमंत्री ने ऐसी व्यवस्था की कि आज इलाज के अभाव में किसी व्यक्ति की जान नहीं जाती। आयुष्मान कार्ड और चिरायु कार्ड जैसी योजनाएं प्रदेश की जनता को दी गई। कांग्रेस के लोग चुनाव के समय गरीबी हटाने की बात करते थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वास्तव में देश से गरीबी हटाने का काम किया है। प्रधानमंत्री की पहल के कारण ही देश के 50 करोड़ लोगों ने बैंकों में खाता खुलवाया जिनका कभी बैंक में खाता नहीं था। जन-जन खाता योजना के साथ लोगों को जोड़ा। श्री सैनी ने कहा कि गैस सिलेंडर के लिए लोगों की लाइनें लगती थीं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर गैस का कनेक्शन पहुंचाया और यह भी व्यवस्था की कि हमारी माता-बहन की आंखें धुएं से खराब न हो, इसके लिए उज्ज्वला योजना महिलाओं के लिए दी। देश के साढ़े 12 करोड़ किसानों के खाते में हर साल पैसा देने की व्यवस्था अगर किसी ने की है, तो वह नरेंद्र मोदी की सरकार ने की है।

नायब सैनी ने कहा कि मोदी सरकार किसानों के हितों के लिए काम करने वाली सरकार है। सीएम सैनी ने जनता से आह्वान करते हुए कहा कि वे कांग्रेस के 55 साल का शासन और मोदी सरकार के 10 सालों के शासन का मूल्यांकन करेंगे तो पाएंगे कि मोदी के 10 साल 55 साल पर भारी है। नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने किसानों के हितों की कभी चिंता नहीं की। कांग्रेस का काम सिर्फ भ्रामक स्थिति पैदा करना रह गया है। यूपीए की सरकार में डीएपी और यूरिया को लेकर मारा मारी रहती थी। महंगे दामों पर भी किसानों को यूरिया नहीं मिलती थी। सीएम ने का कि मोदी की सोच है कि किसानों की आय बढ़े और लागत कम आए , इसलिए इन दस सालों में मोदी सरकार ने खाद के दामों में कोई बढ़ोतरी नहीं की। नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस दुष्प्रचार करके किसानों में भ्रम फैलाना चाहती है। कांग्रेस किसानों को एमएसपी बंद करने का भय दिखाकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 10 सालों में किसानों को समृद्ध और मजबूत करने का काम किया है। भावांतर भरपाई, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से किसानों का सम्मान किया है। लगातार एमएसपी में बढ़ोतरी और गन्ना के दामों को बढ़ाकर भाजपा ने बता दिया है कि भाजपा ही किसानों की असली हितैषी है, जबकि अन्य विपक्षी पार्टियों ने केवल बरगलाने का ही काम किया है।

सिरसा को डा. अशोक तंवर के लंबे राजनीति अनुभव का लाभ मिलेगा: बराला

इस अवसर पर बीजेपी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे प्रत्याशी का एक लंबा राजनीतिक अनुभव है। अशोक तंवर जी ने हमें कांग्रेस की कार्यप्रणाली के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आज गांव पंचायत के चुनाव का समय नहीं है बल्कि देश का मुखिया चुनने का समय है। इसीलिए हम आपसे निवेदन करने आए हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. अशोक तंवर को कमल का फूल निशान देकर भेजा है। आप सब एकजुट होकर अशोक तंवर को लोकसभा में भेजने का काम करें। आप लोगों ने बदलते भारत को देखा है। देश में और बदलाव हो, देश आगे बढ़े इसके लिए जरूरी है कि कमल के फूल पर बटन दबाकर देश को उन्नति के मार्ग पर अग्रसर करें।

रतिया मेरे परिवार का हिस्सा है: डा. अशोक तंवर

सिरसा लोकसभा से बीजेपी के उम्मीदवार अशोक तंवर ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वागत करते हुए कहा कि मैं भाजपा में आया था तो मनोहर लाल जी मुख्यमंत्री थे और नायब सिंह सैनी सांसद थे। जितनी बड़ी सोच भारतीय जनता पार्टी के लोगों की है, जितनी सहयोग की भावना यहां है, वह उन्होंने कहीं नहीं देखी। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने जिस तरह से नायब सिंह सैनी को ताकत दी, वह अपने आप में नायाब है। 2009 से रतिया मेरे परिवार का हिस्सा रहा। आपने मुझे सांसद बनाया। संघर्ष करते हुए मैंने अपने धर्म का पालन किया। पूरे हरियाणा के लोगों की लड़ाई पूरी ताकत के साथ लडने.का काम करेंगे। जिसकी सोच दृढ़ संकलपित हो उसे फल लगते हैं। पूरे संसदीय क्षेत्र और हरियाणा के लोगों की लड़ाई लडने. का काम करेंगे। अगले पांच वर्षों में भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बने, ऐसा देश बनाएंगे। निवर्तमान सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी के समुचित विकास के लिए काम किया है। हर हाथ को काम, हर पेट को रोटी, हर खेत को पानी की व्यवस्था बीजेपी सरकार ने की। उन्होंने कहा कि जब उन्हें रतिया विधानसभा से चुनाव मैदान में उतारा गया तो यहां के लोगों ने भरपूर प्यार दिया। सिरसा लोकसभा से लाखों वोटों से जीत मिली। एक बार फिर मौका मिला है रतिया के लोगों को। वे भाई अशोक तंवर को इससे भी बड़ी जीत दिलाकर भेजें।

भारी मतों से डा. अशोक तंवर को बनाएं विजयी: लक्ष्मण नापा

रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा ने कहा कि सिरसा लोकसभा क्षेत्र से अशोक तंवर ने सांसद रहते हुए अनेक विकास कार्य किए। आज प्रधानमंत्री के चुनाव का अवसर है। आप सब लोग एकजुट होकर डॉ. अशोक तंवर को विजयी बनाकर भेजें ताकि सिरसा लोकसभा सबसे विकसित क्षेत्र बन सके। फतेहाबाद के विधायक दूड़ाराम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच के कारण ही आज देश तरक्की कर रहा है। भारत की विदेश नीति का इतना बड़ा फायदा हमारे देश को मिला है जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। देश के आम आदमी को गरीबी रेखा से निकालने का जो फार्मूला मोदी सरकार ने दिया है, उससे देश की आम जनता बहुत आभारी है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी डॉ. अशोक तंवर को रिकॉर्ड मतों से जिताने की अपील जनता से की।

कांग्रेस घोषणापत्र में 30 लाख नौकरियों का ऐलान बेरोजगारी से हताश युवाओं के लिए बड़ी उम्मीद- दीपेंद्र हुड्डा

नौकरियों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करेगा आधी आबादी की आधी भागीदारी- दीपेंद्र हुड्डा

कांग्रेस ने इतिहास में पहली किसानों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी का किया ऐलान- दीपेंद्र हुड्डा

समाचार गेट ब्यूरो

रोहतक, 5 अप्रैल। राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कांग्रेस के घोषणापत्र में युवाओं के मुद्दों को प्राथमिकता देने के लिए पार्टी हाईकमान व घोषणापत्र समिति का धन्यवाद किया है। दीपेंद्र हुड्डा का कहना है कि बेरोजगारी पर लगाम लगाने और युवाओं को न्याय दिलाने के लिए पार्टी ने 30 लाख पक्की भर्तियां करने का ऐलान किया है। इसी दिशा में हरियाणा कांग्रेस ने भी 2 लाख से ज्यादा पदों पर पक्की भर्ती करने का वादा किया है। हरियाणा में कौशल निगम तो केंद्र में अग्निवीर जैसी योजनाओं के जरिए बीजेपी पक्की नौकरियों को खत्म कर रही है। इसके चलते युवाओं में व्यापक हताशा देखने को मिल रही है। लेकिन कांग्रेस के घोषणापत्र से युवाओं में एक नई उम्मीद का संचार होगा। कांग्रेसजन इसे घर-घर और जन-जन तक पहुंचाएंगे।

दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने नौकरियों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आधी आबादी की आधी भागीदारी सुनिश्चित करने में यह कदम बेहद कारगर साबित होगा। साथ ही हर ग्रेजुएट और डिप्लोमाधारी को एक लाख रूपये सालाना स्टाइपेंड की अप्रेंटिसशिप की गारंटी भी युवाओं के लिए क्रांतिकारी कदम है। भर्ती घोटालों से त्रस्त युवाओं को न्याय दिलाने के लिए पेपर लीक के खिलाफ नया कानून बनाकर भर्ती प्रक्रिया की विश्वसनीयता फिर से स्थापित की जाएगी। इतना ही नहीं 5000 करोड़ के राष्ट्रीय कोष से ज़िला स्तर पर युवाओं को स्टार्ट-अप फंड देकर उन्हें उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहन राशि मुहैया करवाई जाएगी।

दीपेंद्र हुड्डा आज सांपला में 'घर-घर कांग्रेस, हर घर कांग्रेस' अभियान के तहत लोगों से मिल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कांग्रेस के घोषणापत्र पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि किसानों की स्थिति को सुधारने के लिए देश में पहली बार किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी देने का ऐलान किया गया है। यह किसानों की सबसे बड़ी मांग हैं, जिसको पूरा करने के लिए कांग्रेस प्रतिबद्ध है। साथ ही किसानों के लिए कर्जमाफी की घोषणा भी न्यायपत्र में शामिल की गई है।

कांग्रेस द्वारा हरेक गरीब परिवार की महिला को सालाना 1 लाख की मदद, आशा, मिड डे मील और आंगनवाड़ी वर्कर्स को ज़्यादा सैलरी, दोगुने सरकारी योगदान, मनरेगा मज़दूरों को 400 रुपए रोज दिहाड़ी देने जैसे क्रांतिकारी वादे भी न्यायपत्र में किए हैं।

सांसद दीपेंद्र ने कहा कि कांग्रेस द्वारा किए गए ऐलान से स्पष्ट है कि पार्टी के पास भविष्य का रोडमैप है, जो हर वर्ग को न्याय व भागीदारी देने में सक्षम है। सामाजिक-आर्थिक समानता के लिए पार्टी ने हर व्यक्ति और हर वर्ग की गिनती या जातीय जनगणना का ऐलान किया है। न्यायपत्र में संवैधानिक न्याय खंड में लोकतंत्र बचाओ, भय से मुक्ति से लेकर मीडिया, न्यायपालिका की आजादी, भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम जैसे मुद्दे हैं। न्यायपत्र के आर्थिक न्याय के खंड में आर्थिक नीतियों में बदलाव, बेरोजगारी पर नकेल कसने व टैक्स सुधारों के प्रावधानों का जिक्र किया गया है। इसमें कारोबारी वर्ग को पेश आ रही समस्याओं का समाधान है।

लोकसभा आम चुनावों के लिए हरियाणा में बनाये गए चुनाव आइकॉन : मुख्य निर्वाचन अधिकारी

मतदाताओं को वोट की ताकत और मतदान के महत्व के प्रति करेंगे जागरूक- अनुराग अग्रवाल

युवा इस अवसर को चूकें नहीं, क्योंकि जब तक निर्वाचकीय प्रक्रिया के साथ नहीं जुड़ेंगे तब तक वे लोकतंत्र की शक्ति और अपने वोट का महत्व नहीं जान पाएंगे

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़, 5 अप्रैल। हरियाणा में 25 मई को होने वाले लोकसभा आम चुनाव 2024 के मद्देनज़र अधिक से अधिक मतदान हो इसके लिए राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री अनुराग अग्रवाल ने एक अनूठी पहल करते हुए सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्वाचन आयोग द्वारा बनाये गए चुनाव आइकॉन फिल्म अभिनेता राजकुमार राव की तर्ज पर अपने-अपने जिलों में आइकॉन बनाने का आग्रह किया था जिसे आज अंतिम रूप दिया गया।

श्री अनुराग अग्रवाल ने इस संबंध में उपायुक्त- सह- जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक की।

उन्होंने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में हरियाणा का मतदान प्रतिशत राष्ट्रीय औसत से अधिक रहा था। परंतु इस बार हमने इसे 75 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी कड़ी में खेल व अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलबधि प्राप्त करने वालों को जिला चुनाव आइकॉन बनाया गया है जो मतदाताओं को वोट डालने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने बताया कि एशियाई गेम्स 2023 में निशानेबाज़ी में स्वर्ण पदक विजेता पलक को झज्जर जिले के लिए, 19वें एशियाई गेम्स में निशानेबाज़ी में रजत पदक विजेता आदर्श सिंह को फरीदाबाद जिले के लिए , 19वें सीनियर पैरा पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली सुमन देवी व भोपाल में हुई नेशनल स्कूल गेम्स में राज्य की टीम की खिलाडी याशिका को पानीपत जिले के लिए तथा 19वें एशियाई गेम्स में निशानेबाज़ी में रजत पदक विजेता सरबजोत सिंह को अंबाला जिले के लिए आइकॉन बनाया गया है। इसी प्रकार विश्व चैंपियन में स्वर्ण पदक विजेता महिला पहलवान सोनम मलिक को सोनीपत जिले के लिए, ओलम्पिक हॉकी खिलाड़ी सुरिंदर कौर को कुरुक्षेत्र जिले के लिए तथा राष्ट्रीय युवा महोत्सव में गायकी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली मुस्कान फतेहाबाद के लिए जिला चुनाव आइकॉन बनाया गया है।

श्री अनुराग अग्रवाल ने अन्य जिलों के उपायुक्त- सह- जिला निर्वाचन अधिकारियों को भी अपने-अपने जिलों में चुनाव आइकॉन बनाने के लिए आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनावों के लिए चुनाव का पर्व- देश का गर्व को शीर्ष वाक्य बनाया है ताकि नागरिक बढ़-चढ़कर चुनावों में भाग लें।

उन्होंने प्रदेश भर के युवा जिनकी आयु 18-19 वर्ष है, जो पहली बार मतदान करेंगे, से आग्रह करते हुए कहा कि युवा जब निर्वाचकीय प्रक्रिया के साथ जुड़ेंगे तभी वे लोकतंत्र की शक्ति और अपने वोट का महत्व जान पाएंगे। इसलिए युवा इस अवसर को चूकें नहीं क्योंकि 5 वर्षों में एक बार लोकतंत्र का यह पर्व आता है।

हर वर्ग के लिए न्याय और उचित भागीदारी सुनिश्चित करने का रोडमैप साबित होगा कांग्रेस का घोषणापत्र : हुड्डा

मेरी कमेटी के सुझाव न्यायपत्र में शामिल, किसानों के लिए होगी एमएसपी की गारंटी व कर्जमाफी- हुड्डा

बेरोजगारी पर नकेल कसेगी कांग्रेस, 30 लाख युवाओं को मिलेगी पक्की नौकरी- हुड्डा

न्यायपत्र के हरेक वादे को अमलीजामा पहनाएगी कांग्रेस सरकार- हुड्डा

न्यायपत्र को घर-घर और जन-जन तक पहुंचाएंगे हरियाणा कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता- हुड्डा

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कांग्रेस द्वारा जारी चुनावी घोषणापत्र की जमकर सराहना करी है। उन्होंने कहा कि यह घोषणापत्र हर वर्ग के लिए न्याय और उचित भागीदारी सुनिश्चित करने का रोडमैप साबित होगा। इसलिए इसे न्यायपत्र का नाम दिया गया है। कांग्रेस सरकार बनने पर इसके हरेक वादे को अमलीजामा पहनाया जाएगा। हुड्डा ने कांग्रेस के तमाम नेता व कार्यकर्ताओं को चुनाव प्रचार के दौरान इस न्यायपत्र को घर-घर और जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने इस बात भी खुशी जाहिर की कि पार्टी के उदयपुर और रायपुर महाधिवेशन में उनकी कमेटी ने किसानों की स्थिति को सुधारने के लिए जो सुझाव दिए थे, उन्हें न्यायपत्र में स्थान मिला है। इसके लिए हुड्डा ने पार्टी हाईकमान व घोषणापत्र समिति का आभार व्यक्त किया है। कांग्रेस ने किसानों की सबसे बड़ी मांग को मानते हुए कर्ज माफी और एमएसपी की कानूनी गारंटी का वादा किया गया है। साथ ही हरेक गरीब परिवार की महिला को सालाना 1 लाख की मदद व मनरेगा मजूदरों को 400 रुपए रोज दिहाड़ी देने का ऐलान भी न्यायपत्र में शामिल है।

हुड्डा ने बताया कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गाँधी के नेतृत्व में चली भारत जोड़ो न्याय यात्रा में युवा, किसान, नारी, श्रमिक और हिस्सेदारी न्याय की घोषणा की गयी थी। उसी को जमीन पर उतारने के लिए पार्टी ने 25 गारंटियों को घोषणापत्र में स्थान दिया है।

देश व प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी पर नकेल कसने के लिए पार्टी ने युवा न्याय ये तहत युवाओं को 30 लाख सरकारी पदों पर तत्काल स्थायी नियुक्ति की गारंटी दी गई है। साथ ही हर ग्रेजुएट और डिप्लोमाधारी को एक लाख रूपया प्रतिवर्ष स्टाइपेंड के अप्रेंटिसशिप की गारंटी, पेपर लीक रोकने के लिए नया कानून बना कर विश्वसनीय ढंग से परीक्षा के आयोजन की गारंटी, 5000 करोड़ के राष्ट्रीय कोष से ज़िला स्तर पर युवाओं को स्टार्ट-अप फंड देकर उन्हें उद्यमी बनाने की गारंटी भी न्यायपत्र में शामिल है।

सामाजिक-आर्थिक समानता के लिए पार्टी ने हर व्यक्ति और हर वर्ग की गिनती या जातीय जनगणना का ऐलान किया है। न्यायपत्र में संवैधानिक न्याय खंड में लोकतंत्र बचाओ, भय से मुक्ति से लेकर मीडिया, न्यायपालिका की आजादी, भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम जैसे मुद्दे हैं। इसमें अर्थव्यवस्था से लेकर कला, संस्कृति जैसे तमाम विषयों को स्थान दिया गया है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा बताया कि न्यायपत्र में आर्थिक न्याय के लिए आर्थिक नीतियों में बदलाव, बेरोजगारी पर नकेल कसने व टैक्स सुधारों पर ठोस विजन रखा गया है। राज्य न्याय के तहत संघीय ढांचे को मजबूती देने के लिए केंद्र तथा राज्यों के संबंधों में और व्यापकता लाने की बात भी इसमें शामिल है। देश की प्रति रक्षा और आंतरिक सुरक्षा के महत्व को ध्यान में रखकर रक्षा न्याय का भी खंड है, जिसमें विदेश नीति भी है।

पतंजलि को लगाई कोर्ट ने फटकार

समाचार गेट/कमलेश भारतीय
पूर्व उपाध्यक्ष, हरियाणा ग्रंथ अकादमी।

योग गुरु बाबा रामदेव , पतंजलि आयुर्वेद पर सुप्रीम कोर्ट ने माफी मांगने के बावजूद जालसाजी का केस चलाने की बात कही है । यह भी कहा कि बाबा रामदेव व उनके सहयोगी बालकृष्ण ने कोर्ट में झूठ बोला और माफी सिर्फ जुबानी मांगी है । इसलिए जालसाजी करने का केस चलेगा । यह कड़ी फटकार सुप्रीम कोर्ट ने लगाते कहा कि आपने हर सीमा लांघी है और कोर्ट के आदेशों की अवमानना की है । यहां तक कि रोक लगाये जाने के बावजूद मीडिया में गये और विज्ञापन प्रकाशित करने बंद नहीं किये । आप देशसेवा का बहाना न बनाइये । बाबा रामदेव को हाथ जोड़कर माफी मांगनी पड़ी । सुप्रीम कोर्ट ने यह सवाल भी किया कि कोरोना से बचने के लिए पतंजलि के झूठे दावों पर केंद्र ने कोई कार्यवाही क्यों नहीं की ? अब कोई नहीं कहता कि कोई भी कोर्ट से ऊपर नहीं । बाबा रामदेव, पतंजलि और बालकृष्ण भी कोर्ट से ऊपर नहीं हैं ।

थोड़े से सालों के भीतर बाबा रामदेव योग गुरु के रूप में देश विदेश में खूब लोकप्रिय हो गये और फिर पतंजलि आयुर्वेद से दवाइयां भी बनाने लगे, यहां तक कि शहर शहर इनके शो रूम भी खुलते गये । इससे पहले एक बार मैगी नूडल्स को लेकर भी विवाद में आ गये थे। प्राकृतिक अनाज से नूडल्स तक का सफर एक प्रकार से बाबा से उद्योगपति में बदलने के सफर जैसा रहा और वे टीवी शोज में कहते थे कि पतंजलि का टर्न ओवर दस हज़ार करोड़ रुपये तक ले जाने का लक्ष्य है। जो सिर्फ योग से लोगों के रोग भगाने निकले थे, वे क्या से क्या बनते चले गये ! यह एक बाबा से उद्योगपति का सफर और हज़ारों करोड़ों रुपये के टर्न ओवर के सपने देखने वाले बाबा को सुप्रीम कोर्ट ने सही फटकार लगाते कहा है कि आपको पता लगना चाहिए कि कोर्ट के आदेश के उल्लंघन का क्या नतीजा है !

अपनी सीमाओं और क्षमताओं से बहुत आगे निकल जाने की कोशिश करने वालों के लिए भी यह कार्यवाही किसी सबक से कम नहीं !

हरियाणा आम आदमी पार्टी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अनुराग ढांडा ने राज्यसभा सांसद संजय सिंह से की मुलाकात

दिल्ली आईटीओ पर आम आदमी पार्टी मुख्यालय में की मुलाकात

अनुराग ढांडा ने संजय सिंह को हरियाणा में प्रचार का दिया न्यौता

राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने चुनाव प्रचार का न्यौता किया स्वीकार: अनुराग ढांडा

जल्द कुरूक्षेत्र लोकसभा में आप उम्मीदवार डॉ सुशील गुप्ता के समर्थन में प्रचार करेंगे संजय सिंह: अनुराग ढांडा

समाचार गेट ब्यूरो

दिल्ली/चंडीगढ़, 5 अप्रैल। हरियाणा आम आदमी पार्टी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अनुराग ढांडा ने दिल्ली आईटीओ स्थित आम आदमी पार्टी मुख्यालय में राज्यसभा सांसद संजय सिंह से मुलाकात की।दोनों नेताओं के बीच देश में मौजूदा राजनीतिक हालात और हरियाणा के विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चा हुई।

अनुराग ढांडा ने संजय सिंह को हरियाणा में प्रचार का दिया न्यौता और साथ हरियाणा में इंडिया गठबंधन और कुरुक्षेत्र लोकसभा में आगे की रणनीति को लेकर भी चर्चा हुई। इसके साथ आगामी दिनों में हरियाणा में चुनाव प्रचार को लेकर भी विचार विमर्श हुआ। राज्यसभा सांसद संजय सिंह हरियाणा में चुनाव प्रचार का न्यौता स्वीकार किया।

उन्होंने बताया कि जल्द ही कुरूक्षेत्र लोकसभा में संजय सिंह जनसभा को संबोधित करेंगे और बीजेपी की तानाशाही नीतियों की पोल खोलने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई लड़ रहा है। बीजेपी सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्षी पार्टी के नेताओं पर झूठे केस लगाकर उनको जेल में डाल रही है। जनता लोकसभा चुनावों में इसका वोट की चोट से इसका जवाब देने का काम करेगी। तानाशाही के खिलाफ पूरा देश एकजुट हो रहा है।

सैनिक स्कूलों को संघीमय बनाने पर उतारू केंद्र सरकार: कुमारी सैलजा

आरएसएस व भाजपाइयों को फायदा पहुंचाने के लिए शुरू किया पीपीपी मोड

राष्ट्रभक्ति की बजाए अपनी विचारधारा परोसने को रचा षड्यंत्र

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़, 05 अप्रैल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, हरियाणा कांग्रेस की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, उत्तराखंड की प्रभारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सीडब्ल्यूसी की सदस्य कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार ने देश के सैनिक स्कूलों में राष्ट्रभक्ति की बजाए अपने संगठनों की विचारधारा को परोसने का षड्यंत्र रचना शुरू कर दिया है। सैनिक स्कूलों को संघीमय बनाने के लिए ही इनमें पीपीपी मोड की शुरुआत की गई। पीपीपी मोड लागू करने के बाद आरएसएस व भाजपाइयों को सैनिक स्कूल चलाने की इजाजत देने से साफ है कि यहां पढने वाले छात्रों के दिमाग में संघी विचारधारा बनने की शुरुआत हो चुकी है।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि रिपोर्टर्स क्लेक्टिव की ताजा रिपोर्ट से साफ है कि 62 प्रतिशत नए सैनिक स्कूल संघ परिवार, भाजपा के नेताओं व उनके सहयोगियों द्वारा चलाए जा रहे हैं। आठ स्कूलों का प्रबंधन तो आरएसएस या फिर उसके सहयोगी संगठन करते हैं, जबकि छह स्कूल हिंदू धार्मिक संगठनों से जुड़े हैं। यह सबकुछ एक दिन में नहीं हुआ, बल्कि साजिश के तहत इसे अंजाम दिया गया है, ताकि छात्रों की विचारधारा को ये बचपन से ही अपने अनुसार बदल सकें। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सैनिक स्कूल व मिलिट्री स्कूल का मुख्य कार्य छात्रों को विद्यार्थी जीवन से ही सेना की तरह अनुशासित जीवन में ढालना और सेना की जरूरत के अनुसार अफसर तैयार करना होता है। हरियाणा में दो सरकारी सैनिक स्कूल करनाल और रेवाड़ी जिले में पहले से चल रहे हैं। जबकि, पीपीपी मोड पर एक सैनिक स्कूल फतेहाबाद जिले के खारा खेड़ी में शुरू हो चुका है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि अब कुरुक्षेत्र जिले में पीपीपी मोड पर एक और सैनिक स्कूल शुरू करने का फैसला केंद्र सरकार ने लिया है, जो सरासर गलत है। जैसे-जैसे पीपीपी मोड वाले सैनिक स्कूलों की संख्या बढ़ेगी, सरकार पहले से चल रहे सैनिक स्कूलों व मिलिट्री स्कूलों को भी पीपीपी मोड पर ले आएगी। जबकि, सरकार को चाहिए कि वह सैनिक व मिलिट्री स्कूलों की संख्या को तो बढ़ाए, लेकिन पीपीपी मोड पर खोलने की बजाए पहले की तरह सरकारी पैटर्न पर खोले। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सैनिक स्कूलों में पढने वाले छात्रों के अंदर देश सेवा व देश की रक्षा का जज्बा ही भरा जाना चाहिए, न की किसी पार्टी या संगठन की विचारधारा को थोपा जाए। इससे छात्रों की नींव कमजोर होगी। वे देश और इसके धर्म निरपेक्ष सिद्धांत की बजाए उस संगठन के लोगों से मिले विचारों को ही आत्मसात करने लग जाएंगे, जो आगे चलकर देश व समाज के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं।

ममता बनर्जी द्वारा पाले सांपों की वजह से संदेशखाली जैसे कांड होते हैं, उनके सांप लोगों को डसते हैं : अनिल विज

राहुल गांधी जिस पार्टी और जिस परिवार से है उन्होंने संविधान को पैरों से रौंदा है : अनिल विज

कांग्रेस ने हमेशा देश को तोड़ने वाली नीतियां चलाई है, यह सारे देश को एक नहीं रख सकते : विज

पूर्व मंत्री अनिल विज ने कार की डिग्गी में किशोर का शव मिलने के मामले में एसपी को पुलिस टीम बनाकर कार्रवाई को कहा

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री तथा अम्बाला छावनी से विधायक श्री अनिल विज ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान कि जहरीले सांप पर भरोसा कर सकते है, मगर भाजपा पर नहीं कर सकते, के बारे में पलटवार करते हुए पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि जिसने सांपों की खेती कर रखी हो, जो सांपों में रहती हो, खेलती ही सांपों से हो, उसे सांप क्या कहेंगे। उसने सांप दूसरे लोगों के लिए पाल रखें है और समय-समय पर उसके प्रदेश में लोगों को डसते रहते हैं। वहां संदेशखाली जैसे कांड होते है और यह उन सांपों की वजह से होते है जो ममता बनर्जी ने पाल रखें है। ममता बनर्जी को सांपों पर भरोसा है, उसे किसी और की क्या जरूरत है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान कि यह चुनाव लोकतंत्र व संविधान को बचाने का चुनाव है के बयान पर पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि राहुल गांधी जब लोकतंत्र की बात करते है तो बहुत अच्छा लगता है, क्योंकि जिस पार्टी और जिस परिवार से यह है उन्होंने संविधान को पैरों से रौंदा है। इनकी दादी इंदिरा गांधी ने सन 1975 में इमरजेंसी लगाई थी और एक लाख से ज्यादा लोगों पर झूठे केस बनाकर जेलों में डाला।समाचार पत्रों पर भी सेंसर लगा दिया गया था और समाचार पत्र कुछ लिख तक नहीं सकते थे। उस परिवार का व्यक्ति आज लोकतंत्र की बात करे, तो शर्म आती है। पहले राहुल गांधी अपने सारे दफ्तरों से इंदिरा गांधी की फोटो उतारें, जो संविधान को कुचलने की प्रयायवाची थी, उनकी फोटो उतारे और फिर वह बात करें।

कांग्रेस ने घोषणा पत्र में जातिगत गणना को लागू करने की बात पर पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा देश को तोड़ने वाली नीतियां चलाई है, यह सारे देश को एक नहीं रख सकते। इसी कारण से कश्मीर की समस्या उत्पन्न हुई। जब हिंदुस्तान आजाद हुआ तो सभी राजाओं को अधिकार दिया था कि वह अपनी मर्जी से तय करें कि उन्हें कहां जाना है और विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए। कश्मीर के महाराजा ने भी उसी विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए जिस पर देश के पूरे राज्यों ने किया। मगर कांग्रेस और जवाहरलाल नेहरू की नीतियों के कारण हिंदुस्तान का अभिन्न अंग होते हुए भी इतने सालों तक कश्मीर अलग रहा। उसका अलग संविधान, अलग विधान व अलग झंडा था और यह कांग्रेस के ही बदौलत था। यह अनुच्छेद 370 भी कांग्रेस ने लगाया था, जब हमारी फौजे इस पर कब्जा कर रही थी तब बिना किसी कारण यूएनओ में जाकर सीजफायर कर दिया। इस वजह से पीओके आज भी हमसे अलग है। इन्होंने धर्म के आधार पर हिंदुस्तान के टुकड़े कर हिंदुस्तान-पाकिस्तान बनाया। लाखों लोग इस दौरान मारे गए और यह सब कांग्रेस ने किया। यह तो देश को तोड़ना चाहते है और यह देश को एक होना ही नहीं देना चाहते। अब यह चाहते हैं कि भिन्न-भिन्न जातियां आपस में लड़े मरे और इनको दूसरो की बर्बादी पर आनंद आता है।

पूर्व मंत्री अनिल विज ने किशोर का शव मिलने के मामले में एसपी को पुलिस टीम बनाकर कार्रवाई को कहा

पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने अम्बाला छावनी दुधला मंडी में चौदह साल के किशोर का शव कार की डिग्गी में मिलने के मामले में कहा कि किशोर दो-तीन दिन से लापता था, उसकी पुलिस में रपट दर्ज कराई गई थी। परिजनों ने बताया कि दुधला में कार की डिग्गी में किशोर की लाश मिली है। उन्होंने कहा कि मैने सीएमओ अम्बाला को शव का पोस्टमार्टम बोर्ड बनाकर करने को कहा है और अम्बाला एसपी को मामले त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम बनाकर आरोपियों को शीघ्र पकड़ने को कहा है।

कांग्रेस का घोषणा पत्र कोरी वाणी सेवा : धनखड़

घोषणाओं के लिए बजटीय प्रावधान नहीं, जनादेश लूटने का प्रयास

दिल्ली प्रभारी औमप्रकाश धनखड़ ने दिल्ली में पार्टी पदाधिकारियों और प्रत्याशियों के साथ की चुनावी रणनीति पर चर्चा

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़, 5 अप्रैल। कांग्रेस का घोषणा पत्र कोरी वाणी सेवा है। झूठ का पुलिंदा है। बिना बजटीय प्रावधान के खोखले वादे कर जनादेश लूटने में कांग्रेस माहिर है । भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने कांग्रेस के घोषणा पत्र पर मीडिया को अपनी प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक में किसानों की कर्ज माफी का वायदा पूरा नहीं किया, हिमाचल प्रदेश में ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू करने वादा किया था , पूरा नहीं किया, राजस्थान में पिछली बार किसानों के कर्ज माफी का वादा कर जनादेश की लूट की। जनता ने इस बार राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को नकार दिया। धनखड़ ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में बजटीय व्यवहारयिता नहीं हैं । बिना बजटीय प्रावधान के कैसे घोषणाएं पूरी होंगी। कांग्रेस का मंत्र है जनादेश लूटो और आगे बढ़ो। अब जनता समझदार हो चुकी है। इसलिए कांग्रेस पार्टी पर विश्वास नहीं रहा। यहीं कांग्रेस के पतन के कारण हैं। धनखड़ ने कहा कि देश में बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए संविधान के अनुरूप बेहतरीन न्यायिक व्यवस्था कायम है। कांग्रेस कौनसी नई न्याय व्यवस्था की बात कर रही है और किसको न्याय दिलाने का वादा कर रही है। क्या कांग्रेस देश के खजाने के लुटेरों व भ्रष्टाचारियों को न्याय देने की बात कर रही है। कांग्रेस महिला न्याय की बात करती है, इनके नेताओं के महिलाओं के प्रति ब्यान देखो। कांग्रेस ने तुष्टिकरण, परिवारवाद, नारी शक्ति के अपमान और भ्रष्टाचार की राजनीति की है। यही वजह हैं कि देश की जनता ने कांग्रेस को नकार दिया है।

इससे पहले दिल्ली प्रदेश प्रभारी श्री धनखड़ ने प्रदेश कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों और लोकसभा प्रत्याशियों के साथ लोकसभा चुनाव की अब तक की गई तैयारियों की समीक्षा बैठक की और आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। धनखड़ ने कहा कि देश के साथ दिल्ली में भी राजनीतिक माहौल पूरी तरह से भाजपा के पक्ष में है। देश की जनता ने मोदी को बड़े जनमत के साथ फिर से पीएम बनाने का मन बना लिया है। इसलिए सभी कार्यकर्ता हर बूथ पर विजय की रणनीति के साथ जुट जाएं। बैठक में सह प्रभारी डॉ अलका गुर्जर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, संगठन महामंत्री पवन राणा, लोकसभा प्रत्याशी मनोज तिवारी, बांसुरी स्वराज, कमलजीत सहरावत, प्रवीण खंडेलवाल, रामबीर सिंह बिधुड़ी, हर्ष मल्होत्रा, योगेंद्र चांदोलिया, पूर्व केंद्रीय मंत्री हर्ष वर्धन सहित पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

कमांडरों का सम्मेलन जारी बदलावों पर अधिक जोर देने के आह्वान के साथ संपन्न हुआ

समाचार गेट/भावना कौशिश

नई दिल्ली। सेना के कमांडरों का सम्मेलन नई दिल्ली में समाप्त हो गया। इस सम्मेलन को साल में दो बार हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित किया गया। 28 मार्च, 2024 को थल सेना सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल मनोज पांडे ने वर्चुअल माध्यम से पहले सत्र की अध्यक्षता की। इसके बाद 1 और 2 अप्रैल को दूसरे सत्र के तहत व्यक्तिगत चर्चा की गई। इसमें सेना के वरिष्ठ नेतृत्व ने सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। इनमें बदलाव से संबंधित पहल, तकनीक का लाभ उठाना, क्षमता विकास के लिए नवाचार, परिचालन संबंधी तैयारियों का संवर्द्धन और उभरती सुरक्षा व मानव संसाधन से संबंधित मुद्दों का समाधान करना शामिल है। इस सम्मेलन को सेना के वरिष्ठ अधिकारियों को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल मनोज पांडे, नौसेना प्रमुख (सीएनएस) एडमिरल आर हरि कुमार और वायु सेना प्रमुख (सीएएस) एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने भी संबोधित किया।

सीडीएस ने पेशेवर दृष्टिकोण के साथ सीमाओं की सुरक्षा की प्रतिबद्धता के साथ-साथ चुनौतियों से निपटने और बदलावों को उत्साहपूर्वक अपनाने के लिए संरचनाओं व सैनिकों की सराहना की। उन्होंने वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व से सैन्य मामलों में तीसरी क्रांति के अनुरूप एकजुटता, एकीकरण और तकनीक के उपयोग से संबंधित के पहलुओं को अपनाने का भी आह्वान किया।

सेना प्रमुख (सीओएएस) ने अपने भाषण के दौरान असंख्य चुनौतियों से सफलतापूर्वक निपटने और बदलावों को उत्साह के साथ अपनाने के लिए सैन्य समुदाय की सराहना की। उन्होंने वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व से सहयोगी सेवाओं और आधुनिक सेनाओं की सर्वश्रेष्ठ तौर-तरीकों को अपनाने के अलावा परिवर्तन व प्रौद्योगिकी के उपयोग की प्रक्रिया को जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने जमीनी व सभी स्तर के कमांडरों और सैनिकों के बीच स्थितिजन्य जागरूकता सुनिश्चित करने की जरूरत पर भी जोर दिया। सेना प्रमुख ने इस बात पर भी जोर दिया कि भविष्य की परिचालन संबंधित चुनौतियों का सामना करने के लिए बदलाव को स्वीकार करके और नए विचारों के लिए खुले रहकर सैद्धांतिक व संरचनात्मक सुधार करने की निरंतर जरूरत है।

सीएनएस और सीएएस ने समकालीन संघर्षों से मिली सीख को देखते हुए एकजुटता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बेहतर परिचालन परिणामों के लिए सेवाओं के बीच जमीनी स्तर पर समन्वय के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने अपनी-अपनी सेवाओं में संचालित पहलों की प्रमुख बातों को साझा किया और संयुक्त परिचालन व अभ्यास के दौरान सुगम समन्वय सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दिया।

सेना के वरिष्ठ अधिकारियों को जी-20 शेरपा व नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत और पूर्व राजनयिक व उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पंकज शरण ने भी संबोधित किया। प्रतिष्ठित वक्ताओं ने बदलती भू-राजनीति और पड़ोस व वैश्विक परिदृश्य में विकास के भारत पर प्रभाव का उल्लेख किया। इन वक्ताओं ने भारत के उत्थान और भविष्य की दिशा में सशस्त्र बलों की लगातार बढ़ती भूमिका व महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने भविष्य में इन जटिल गतिविधियों को प्रभावी ढंग से परिचालित करने के लिए रणनीतिक नियोजन और तत्परता के महत्व पर जोर दिया।

राष्ट्रपति ने कैंसर उपचार के लिए पहली घरेलू जीन थेरेपी का किया शुभारंभ

समाचार गेट/भावना कौशिश

नई दिल्ली। श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान- आईआईटी बॉम्बे में कैंसर उपचार के लिए भारत की पहली घरेलू जीन थेरेपी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की पहली जीन थेरेपी की शुरूआत कैंसर के खिलाफ हमारी लड़ाई में बड़ी सफलता है। उपचार की इस श्रृंखला का नाम सीएआर-टी सेल थेरेपी है, जो कैंसर इम्यूनोथेरेपी उपचार है। यह सुलभ और सस्ती है, इसलिए संपूर्ण मानव जाति के लिए आशा की नई किरण प्रदान करती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह थेरेपी अनगिनत मरीजों को नवजीवन देने में सफल होगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि सीएआर-टी सेल थेरेपी को चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति में से एक माना जाता है। यह कुछ समय से विकसित देशों में उपलब्ध है, लेकिन यह बेहद महंगी है और दुनिया भर के अधिकांश रोगियों की पहुंच से बाहर है। उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आज लॉन्च की जा रही थेरेपी दुनिया की सबसे सस्ती सीएआर-टी सेल थेरेपी है। उन्होंने कहा कि यह मेक इन इंडिया पहल आत्मनिर्भर भारत का दीप्तिमान उदाहरण है। राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि भारत की पहली सीएआर-टी सेल थेरेपी उद्योग भागीदार इम्यूनोएसीटी के सहयोग से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे और टाटा मेमोरियल अस्पताल के समन्वय से विकसित की गई है। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा-उद्योग साझेदारी का एक सराहनीय उदाहरण है, जिससे इसी तरह के कई अन्य प्रयासों को प्रेरणा मिलेगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि आईआईटी बॉम्बे ने केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में प्रौद्योगिकी शिक्षा के मॉडल के रूप में विख्यात है। सीएआर-टी सेल थेरेपी के विकास में न केवल प्रौद्योगिकी को मानवता की सेवा में लगाया जा रहा है, बल्कि उद्योग के साथ-साथ दूसरे क्षेत्र के एक प्रतिष्ठित संस्थान के साथ भी साझेदारी की गई है। यह आईआईटी, बॉम्बे द्वारा पिछले तीन दशकों में अनुसंधान और विकास पर दिए गए फोकस से संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि आईआईटी बॉम्बे और अन्य समान संस्थानों के संकाय और छात्रों के ज्ञान आधार और कौशल के साथ, जारी तकनीकी क्रांति से देश लाभान्वित होगा।

महंगी हो गई शाकाहारी थाली, मांसाहारी थाली की कीमत में गिरावट

समाचार गेट/भावना कौशिश

नई दिल्ली। प्याज, टमाटर और आलू की कीमतों में वृद्धि के कारण मार्च महीने में शाकाहारी थाली की मासिक लागत सालाना आधार पर सात प्रतिशत तक बढ़ गई। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की एक इकाई ने गुरुवार को यह सर्वेक्षण प्रस्तुत किया। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस ने अपनी मासिक 'रोटी चावल दर' रिपोर्ट में बताया कि पॉल्ट्री की कीमतों में कमी के कारण पिछले महीने मांसाहारी थाली की लागत में सात प्रतिशत की गिरावट आई है। शाकाहारी थाली में रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद शामिल होते हैं। इस थाली की कीमत मार्च में 27.3 रुपये प्रति प्लेट बढ़कर, जो एक साल पहले की समान अवधि में 25.5 रुपये थी। हालांकि, फरवरी के 27.4 रुपये की तुलना में मार्च में शाकाहारी थाली की कीमत में कमी आई है।

चिकन की कीमत

दरअसल ब्रॉयलर मुर्गे की कीमतों में 16% की गिरावट आने से सालाना आधार पर मांसाहारी थाली की लागत घटी। मांसाहारी थाली में ब्रॉयलर का भारांक 50% होता है। हालांकि, फरवरी की तुलना में मार्च में रमजान के पवित्र महीने की शुरुआत होने और अधिक मांग आने से ब्रॉयलर की कीमतें पांच प्रतिशत बढ़ गईं। (स्रोत: समाचार एजेंसी)

संपादकीय

कांग्रेस की यह दशा क्यों और कैसे बनी?

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

देश की विविधता, स्वरूप और संस्कृति को बांधे रखकर चलने वाले अतीत के कांग्रेसी नेता, जिनकी मूर्तियों और चित्रों के सामने हम अपना सिर झुकाते हैं, पुष्प अर्पित करते हैं- वे अज्ञानी नहीं थे। उन्होंने अपने खून-पसीने से भारत-माँ के चरण पखारे थे। आज उनकी राष्ट्रीय सोच एवं जनकल्याण की भावना को नकारा जा रहा है, उन्हें अदूरदर्शी कहा जा रहा है। कांग्रेस में धीरे-धीरे जमीनी धरातल पर कार्य करने वाले बड़ी सोच वाले कार्यकर्ता कम हो गए और नेताओं के चापलूस बढ़ गए। ये चापलूस ही आगे बढ़े और कांग्रेस की टूट का कारण बने हैं। वक्त यह सब कुछ देख रहा है और करारा थपड़ भी मार रहा है। कांग्रेस विश्वसनीय और नैतिक नहीं रही और सत्ता विश्वास एवं नैतिकता के बिना ठहरती नहीं। शेरनी के दूध के लिए सोने का पात्र चाहिए। कांग्रेस अपना राष्ट्रीय दायित्व एवं सांगठनिक जिम्मेदारी राजनीतिक कौशल एवं नैतिकतापूर्ण ढंग से नहीं निभा रही। अंधेरे को कोसने से बेहतर था कि कोई तो पार्टी में एक मोमबत्ती जलाता। रोशनी करने की ताकत निस्तेज होने का ही परिणाम है कि वक्त ने सीख दे दी। इसी का परिणाम है कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं की संख्या तेजी से बढ़ती चली जा रही है, उससे तो यह लगता है कि पार्टी छोड़ो जैसा कोई अभियान चल रहा है। राहुल गांधी भले ही यह दिखाएं कि कांग्रेस नेताओं के जाने से पार्टी की सेहत पर फर्क नहीं पड़ता, लेकिन सच तो यह है अब फर्क पड़ता दिख रहा है। आने वाले लोकसभा चुनाव के परिणाम इस फर्क को और अधिक स्पष्ट कर देंगे। कुछ नेता चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं और कुछ तो प्रत्याशी घोषित होने के बाद अपने कदम पीछे खींच चुके हैं। कांग्रेस भले ही यह दिखा रही हो कि वह भाजपा का मुकाबला करने मे समर्थ है, लेकिन यह किसी से छिपा नहीं कि वह अपने नेतृत्व वाले मोर्चे इंडिया महागठबंधन को वैसा आकार नहीं दे सकी, जिसकी आशा की जा रही थी। इसके लिए कांग्रेस अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकती। कांग्रेस का क्षरण इसलिए शुभ संकेत नहीं, क्योंकि भाजपा के समक्ष वही सही मायने में एक राष्ट्रीय दल है। अन्य राष्ट्रीय दलों में कोई भी ऐसा नहीं, जिसकी जड़ें देश भर में हों। लोकतंत्र में एक मजबूत विपक्ष भी आवश्यक होता है, लेकिन सत्तापक्ष उसकी मजबूती की चिंता नहीं कर सकता।

कनीना मंडी में सरसों से लदे वाहनों की लगी कतार, पुलिस कर्मचारियों ने संभाला मोर्चा

सुबह से ही वाहन आने से रेलवे फाटक पार तक आधे सडक़मार्ग पर खड़े रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली

कई बार आई जाम की नोबत,पुलिस कर्मचारियों ने बहाल की यातायात व्यवस्था

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना मंडी में शुक्रवार को सरसों बेचने वाले किसानों के वाहनों की बढती संख्या को लेकर पुलिस कर्मचारियों में मोर्चा संभाल कर व्यवस्था बनाई। सुबह से ही सरसों से भरे ट्रैक्टर-ट्राली,पिकअप आने से कनीना-अटेली मार्ग रेलवे क्रॉसिंग फाटक पार से लेकर मंडी गेट तक कतार लग गई। जिससे कई बार सडक़जाम की समस्या भी उत्पन्न हुई। पुलिस के ईआरवी वाहन पर तैनात पुलिस कर्मियों ने मौके पर पंहुचकर यातायात व्यवस्था बहाल की। शुक्रवार को मंडी में करीब 13 हजार क्विंटल सरसों की खरीद की गई।

मंडी में एंट्री करने वाले प्रत्येक वाहन को गेट पास जारी कर धर्मकांटे पर बिना किसी शुल्क के भरे एवं खाली वाहनों का वजन किया जा रहा है। दोनों कांटो के बराबर कार्य करने से एकसाथ दो वाहन क्लीयर हो रहे हैं। फिलहाल सरसों की खरीद नैफेड के लिए की जा रही है। खरीद अधिकारी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि सोमवार को 4525 क्विंटल, मंगलवार को 9206 क्विंटल, बुधवार को 12140 क्विंटल, बृहस्पतिवार को 10280 क्विंटल सरसों की खरीद की गई। खरीदी गई सरसों में से 2265 क्विंटल का उठान किया गया। वाहनों में जीपीएस सिस्टम नहीं होने के कारण तीन दिन तक सरसों का उठान कार्य नहीं हो सका। गेहूं की आवक शुरू नहीं हुई है।

सरसों खरीद एजेंसी हैफेड के प्रबंधक वीरेंद्र कुमार ने बताया कि 5650 रूपये की दर से सरसों की खरीद की जा रही है। जिसका भुगतान किसानों को डीबीटी के माध्यम से 72 घंटे के अंतराल में किया जा रहा है। खरीदी गई सरसों स्टेट वेयर हाउस कनीना के गोदाम में रखी जा रही है।

मार्केट कमेटी सचिव नकुल यादव ने बताया कि सुबह 8 बजे से सायं 4 बजे तक किसानों को गेटपास जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की सरसों का दाना-दाना खरीदा जाएगा। लेकिन वे धैर्य रखें खरीद प्रक्रिया लंबी चलेगी। सभी किसान आसानी से अपनी सरसों बेच सकेगें। मंडी में आने वाले किसानों के लिए सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस मौके पर हैफेड के चेयरमैन एडवोकेट वीरेंद्र दीक्षित, सतीश, कुलदीप, आदेश, सुनील, रविंद्र, राजीव, वीरेंद्र सिंह, भरपूर सिंह उपस्थित थे।

मुख्य प्रशासक द्वारा गठित टीम ने मंडी का दौरा कर परखी खरीद व्यवस्था

मार्केटिंग बोर्ड के मुख्य प्रशासक मुकेश आहुजा की ओर से मंडियों में फसल खरीद व्यवस्था परखने तथा सुचारू रूप से खरीद कार्य किए जाने के मकसद से छह टीमें गठित की गई हैं। जो प्रदेश की विभिन्न मंडियों का दौर कर औचक निरीक्षण कर रही हैं। तीन सद्स्यीय टीम में टीम इंचार्ज वरिष्ठ कृषि व्यवसायिक प्रबंधक संजय वर्मा पंचकूला उनके साथ कृषि व्यवसाय प्रबंधक महावीर भट्टी सिरसा, एबीएम अनिल कुमार सोनीपत ने शुक्रवार को कनीना आनाज मंडी का औचक निरीक्षण कर खरीद व्यवस्था का जायजा लिया। करीब दो घंटे रूकी टीम ने किसानों से भी बातचीत की ओर बिजली, पानी, छायां, साफ-सफाई को लेकर जानकारी ली। उन्होंने काटें पर वजन करा रहे वाहनों का निरीक्षण तथा गेट पास का भी अवलोकन किया। किसानों ने मार्केट कमेटी प्रशासन की ओर से की गई व्यवस्था पर संतुष्टि जाहिर की। यह टीम प्रदेश के 4 जिलों महेंद्रगढ, झज्जर, रोहतक तथा सोनीपत जिले की मंडियों का निरीक्षण करेगी।

अंधत्व निवारण सप्ताह के अन्तर्गत कार्यशाला का हुआ आयोजन

समाचार गेट/ज्योति खंडेलवाल

पलवल। अंधत्व निवारण सप्ताह के अन्तर्गत पलवल डोनर्स क्लब ज्योतिपुंज के द्वारा जवाहर नगर कैम्प स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में नेत्रदान जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला का संयोजन क्लब के मुख्य संयोजक आर्यवीर लॉयन विकास मित्तल एवं सह संयोजक अल्पना मित्तल ने किया।

कार्यशाला के तहत विद्यालय के बच्चों को अंधापन एवं मोतियाबिंद सहित अंधत्व के अनेक कारणों एवं नेत्रदान के महत्व के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। विकास मित्तल ने कार्यशाला में भाग ले रहे विद्यालय के सैंकड़ों बालक-बालिकाओं को अंधत्व निवारण और नेत्रदान की शपथ दिलवाकर जागरूक किया। साथ ही उन्होने बच्चों को जागरुक करते हुए कहा कि सभी को वर्तमान परिवेश में पोषण से भरपूर एवं सादा भोजन खाना चाहिए।आंखों को स्वस्थ रखने के लिए पौष्टिक आहार के अलावा अन्य सावधानियों को भी ध्यान में रखना जरूरी है। हर उम्र में नियमित रूप से आंखों की जांच कराएं। दिन में दो बार आंखों को धीरे-धीरे साफ पानी से धोएं। पूरी नींद लें और काम के दौरान भी थोड़े-थोड़े अंतराल पर अपनी आंखों को आराम देने की कोशिश करें।

अल्पना मित्तल ने भी बच्चों को जागरुक करते हुए कहा कि सभी स्मार्ट स्क्रीन का उपयोग करते समय सावधान रहें। मोबाइल और कंप्यूटर पर काम करने और ज्यादा देर तक टीवी देखने से बचें। मधुमेह या उच्च रक्तचाप होने पर आंखों की नियमित जांच कराएं और आँखो का व्यायाम करें। आंखों में खुजली, सूखापन या धुंधलापन होने पर डॉक्टर से तुरन्त संपर्क करें।

कार्यशाला में बच्चों के लिए एक प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया। जिसमें विजेता बच्चोंदीपक, जितेन्द्र, यश, लोकेश, गौरव, हिमांशु, तीर्थ, जितेश आदि को पुरस्कृत किया गया। अन्त स्कुल के हैडमास्टर चन्द्रवीर ने संस्था का धन्यवाद करते हुए कहा कि स्कुल भविष्य में भी संस्था के सहयोग से इस तरह के कार्यक्रम आयोजन करते रहेगे। कार्यशाला में सैंकड़ों बच्चों सहित नवल किशोर, प्रताप शर्मा, गुरमेल सिंह, विनोद कुमार, संतोष कुमारी, मोनिका शर्मा, ओमवती शास्त्री, मुकेश कुमारी, सुमित कुमार, मुकेश तेवतिया, दिनेश कुमार टीना तलवार , ताराचंद, सुभाष चन्द, बिमलेश, कमलेश, रुचि, प्रीति आदि उपस्थित थे।

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कैंप के तत्वावधान में शुक्रवार को मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई

समाचार गेट/ज्योति खंडेलवाल

पलवल। रैली में मतदान के प्रति आमजन को जागरूक किया गया। छात्राओं ने हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां व नारे लगाकर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अध्यापक वीरेंद्र कुमार ने बताया कि स्वीप कार्यक्रम के तहत विद्यालय की छात्राओं द्वारा मतदान को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई है। यह रैली विद्यालय के परिसर से शुरू होकर आगरा चौक से होते हुए विद्यालय परिसर पहुंची। रैली का उद्देश्य जिले में मतदान के प्रति लोगों को जागरूक करना है, ताकि लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदान किया जा सके। शिक्षक चंद्रभान शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए मतदान अवश्य करें। छात्रा खुशबू ने बताया कि रैली के माध्यम से यह संदेश दिया है कि मतदान अवश्य करें और मतदान के लिए दूसरों को भी जागरूक करें। 18 वर्ष की आयु होने पर वोट बनाएं और वोट का प्रयोग करें।

मंडियों में उठान कार्य के चलते छह अप्रैल को नहीं की जाएगी सरसों की खरीद: एसडीएम अमित कुमार

समाचार गेट/सोनिका सूरा

लोहारू/बहल/सिवानी। डीसी नरेश नरवाल के निर्देश पर अनाज मंडियों में मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण के आधार पर सरसों की खूब आवक के साथ-साथ खरीद कार्य भी सुचारू ढ़ंग से चल रहा है। कुछ मंडियों में सरसों की आवक ज्यादा आने से व उठान कार्य में तेजी लाने के लिए छह अप्रैल को खरीद कार्य को बंद कर दिया गया है। एसडीएम अमित कुमार ने बताया कि डीसी नरेश नरवाल के निर्देश पर सरसों की खरीद का कार्य पुरजोर से चल रहा है। खरीद से संबंधित अधिकारियों को खरीद कार्य नियमित रूप व सुचारू ढंग से चलाने के लिए निर्देश दिए गए हैं। समय समय पर संबंधित एसडीएम द्वारा भी मंडियों का दौरा कर सरसों खरीद कार्य का निरीक्षण किया जा रहा है ताकि किसानों को फसल बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत न आए। उन्होंने बताया कि मंडियों में सरसों की आवक बहुत अधिक हो गई है, जिसके चलते उठान कार्य में समय की जरूरत है। ऐसे में मंडियों में छह अप्रैल को सरसों की खरीद नही की जाएगी। उन्होंने बताया कि लोहारू, ढिगावा, बहल, तोशाम, जुई व सिवानी मंडी में सरसों का उठान कार्य होगा तथा अनाज मण्डी भिवानी, बवानी खेडा व चांग में सरसों की खरीद जारी रहेगी। एक दिन के लिए सरसों खरीद रोकी गई है ताकि उठान कार्य में तेजी लाई जा सके। किसानों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो, इसके लिए उठान कार्य में तेजी कर उनकी पेमेंट की अदायगी हो सकेगी।

थार गाडी ने पदयात्री को पीछे से मारी टक्कर, अस्पताल में उपचार के दौरान हुई मौत

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना-नारनौल मार्ग पर दोंगडा के पास घटित एक सडक हादसे में एक पदयात्री व्यक्ति मौत हो गई। इस बारे में दोंगडा अहीर वासी देशराज ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि 4 अप्रैल को सुबह करीब सवा 7 बजे उसका भाई जयनारायण पैदल घर की ओर आ रहा था। पीछे से एक थार गाडी तेज गति से आयी और उसे सीधी टक्कर मार दी। इस हादसे में जयनारायण गंभीर रूप से घायल हो गया। गाडी को दोंगडा अहीर निवासी अनिल कुमार चला रहा था। ग्रामीणों की मदद से घायल हुए व्यक्ति को थार गाडी से नारनौल के निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया। जहां उपचार के दौरान जयनारायण ने दम तोड दिया। इस बारे में दोंगडा अहीर पुलिस चौकी इंचार्ज प्रीतम सिंह ने बताया कि मृतक का पंचनामा करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया। देशराज की शिकायत पर हादसे के आरोपी थार गाडी के चालक के खिलाफ भादस: की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। आरोपी की जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

छितरोली में 101 वर्षीय महिला प्यारी देवी के निधन पर विधायक ने जताया शोक

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना खंड के गांव छितरोली निवासी एवं वयोवृध 101 वर्षीय महिला प्यारी देवी का निधन हो गया। सामाजिक व धार्मिक विचारों वाली महिला अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड गई। उनका अंतिम संस्कार छितरोली के रामबाग में किया गया। दिलचस्प बात है कि प्यारी देवी ने अनपढ होते हुए अपने बेटे-बेटियों को अच्छी तालीम दिलाकर कामयाब किया। उनका बेटा कप्तान हजारी लाल, सतबीर सिंह, राजपाल, मा. हवासिंह, दयाकौर, संतरा समाज में अहम स्थान बनाए हुए हैं। उनकी मेहनत व निष्ठा को सदैव याद रखा जाएगा। उनके निधन पर अटेली हलका विधायक सीताराम यादव ने शोक जताते हुए कहा कि जन्म-मृत्यू, लाभ-हानि,यश-अपयश ईश्वर के आधीन है। उनकी आर्तमिक शांति के लिए आगामी 12 अप्रैल को सांय 3 बजे छितरोली में श्रधाजंली सभा का आयोजन किया जाएगा। इस दिन सुबह हवन करने के बाद प्रसाद वितरण भी किया जाएगा। इस मौके पर दयानंद, सूबेदार सुखबीर सिंह, प्रताप सिंह, रामकुमार, हवलदार शंकर लाल, बलवान सिंह, मातुराम, महिपाल सिंह, सचिव रामफल, अक्षय कुमार, राजसिंह, नरेंद्र शास्त्री, नपा चेयरमैन सतीश जेलदार, चंद्रभान, राजबीर सिंह उपस्थित थे।

एनएच 152डी पर कट छोडने की मांग को लेकर सेहलंग-बागोत के बीच ग्रामीणों का धरना जारी

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। नारनौल-कुरुक्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग 152डी पर सेहलंग-बाघोत के बीच वाहनों के प्रवेश मार्ग बनाने की मांग को लेकर ग्रामीणों द्वारा शुरू किया गया अनिश्चितकालीन धरना शुक्रवार को 390वें दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता हंसकुमार सेहलंग ने की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली की वजह से कट का कार्य अटका पडा है। धरना संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय सिंह ने कहा कि सरकार धरना स्थल पर बैठे ग्रामीणों की मांग को अनदेखा कर रही है। 230 किलोमीटर लम्बा यह नैशनल ग्रीन कॉरिडोर महेंद्रगढ जिले के विभिन्न गावों से होकर गुजर रहा है। केंद्रीय सडक़एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की ओर यहां पर कट देने का आश्वासन दिया था। लेकिन अभी तक कार्य शुरू नहीं हो सका है। जिससे ग्रामीण परेशान हैं। उन्होंने कहा कि जब तक कट का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो जाता तब तक उनका धरना जारी रहेगा। इस मौके पर रणधीर पहलवान, नरेंद्र शास्त्री छितरोली, हरिओम पोता, बेड़ा सिंह, लक्ष्मण सिंह, धर्मपाल सिंह, विजयपाल, नरेंद्र शास्त्री, मुंशी राम, सूबेदार सुखबीर सिंह, सूबे सिंह, बाबूलाल, रघुवीर, सीताराम, रमेश कुमार, मांगेराम, हेमराज,वीरेंद्र सिंह, सुबेसिंह, रामकुमार, दाताराम, रामभगत, प्यारेलाल, वेदप्रकाश, मनोज, शेर सिंह हाजिर थे।

आवश्यक सूचना

समाचार गेट का इस समाचार पत्र में मुद्रित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाइड) के तथ्यों संबंधी कोई दायित्व नहीं है। हमारा समाचार पत्र इनको सत्यापित नहीं करता। पाठकों से निवेदन है कि वे इन विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पूर्व तथ्यों की स्वयं पुष्टि अवश्य कर लें।

समाचार गेट City24News शहर आपका, खबर आपकी
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
अब आपके शहर में

फरीदाबाद
दिल्ली, चंडीगढ, गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा, सोनीपत, नारनौल, रेवाड़ी, कनीना, नूंह, पलवल, सोहना, हथीन, भिवानी से एक साथ प्रसारित।

Contact: 9212339503, 9818180269

BHANU PRATAP SINGH
96876221651 9978622651
HITECH ENGINEERING
MFG OF: PROGRESSIVE STAMPING TOOLS AND DIES , JIG FIXTURE GAUGES SPM , POWER PRESS HYDRAULIC PRESS AND PRECISION SHEET METAL COMPONTNTS
SHED NO. 66/67, VISHWAKARMA IND.ESTATE ROAD NO.5, G.I.D.C.,KATHWADA, AHMEDAVBAD - 382430.
hitech493@gmail.com
bpsingh493@gmail.com
www.hitechpowerpressindia.com

समाचार गेट
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार को
आवश्यकता है
● हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
● उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
● ग्रामीण संवाददाता ● फोटोग्राफर
● विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
krishna24news@gmail.com
मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा)
संपर्क करें:9818180269

नूंह पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से 5 हजार के इनामी बदमाश रफीक उर्फ बच्ची निवासी रहाडी सहित तीन को अवैध हथियार के साथ दबोचा

तीनों आरोपियों से देसी कट्टे समेत तीन जिंदा कारतूस बरामद।

अवैध हथियार अधिनियम के तहत केस दर्ज।

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। नूंह पुलिस ने गस्त के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन बदमाशों को अवैध हथियार समेत दबोचा है। तीनों से तीन देसी कट्टे और तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। सभी आरोपियों के विरुद्ध संबंधित थानों में अवैध हथियार अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। मिली जानकारी के मुताबिक अपराध की रोकथाम हेतु जिला पुलिस की टीमें गस्त कर रही थी। उसी समय तावडू ढीढारा मोड़ पर मौजूद टीम को सूचना मिली कि रफीक उर्फ बच्ची पुत्र हनीफ निवासी रहाडी अपराधिक प्रवृतति का व्यक्ति है। जो लूट, डकैती, चोरी और अपहरण के मामले में वांछित है और रुड़की से एटीएम चोरी की एक वारदात में भी वांछित है। रूड़की पुलिस ने आरोपी पर पांच हजार रुपए का इनामी भी घोषित किया है। जो फिलहाल अवैध हथियार सहित नगर के बावला चौक पर मौजूद है। सूचना के मुताबिक पुलिस ने मौके पर दबिश देकर एक व्यक्ति को काबू कर लिया। जिसने पुलिस पूछताछ में अपनी पहचान रफीक उर्फ बच्ची निवासी रहाडी बताइ। तलाशी लेने पर एक देसी कट्टा समेत कारतूस भी बरामद हुआ। जिस संबंध में आरोपी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

तावडू शहर थाना पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अवैध हथियार अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। वही दूसरे मामलें में थाना पुन्हाना के अंतर्गत पुलिस की एक टीम ने अवैध हथियार सहित एक आरोपी को गुड मंडी पुन्हाना से काबू किया है। जिसकी पहचान मुस्तकीम उर्फ फौजी पुत्र मूसा निवासी ओथा थाना पिनांगवा जिला नूंह के रूप में हुई है।आरोपी मुस्तकीम से एक देसी कट्टा और कारतूस मिला है। जिसके खिलाफ थाना पुन्हाना में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई की गई जबकि तीसरे मामले में एक पुलिस की एक टीम ने नूंह के मुनीर मेडिकल स्टोर से मनोज पुत्र डालचंद निवासी वार्ड नंबर 7 नजदीक भूतेश्वर मंदिर को मंदिर से देसी कट्टा व कारतूस सहित दबोच है। नूंह थाना पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

30 लाख नौकरी, आरक्षण में इजाफा और परीक्षा में जीरो आवेदन शुल्क कांग्रेस का वायदा: आफताब अहमद

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अपना घोषणा-पत्र जारी कर दिया जिसे न्याय पत्र नाम दिया गया है। न्याय पत्र में तमाम वर्गों और क्षेत्रों के लिए दो दर्जन से अधिक बड़ी महत्पूर्ण गारंटियों पर जोर दिया गया है। हरियाणा कॉंग्रेस विधायक दल के उप नेता चौधरी आफताब अहमद ने जिला कॉंग्रेस मुख्यालय नूंह पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने न्याय पत्र जारी किया है जिसमें तमाम वर्गों के लिए न्याय पर जोर दिया गया है जिसमें महिला, युवा, किसान, गरीब आदि शामिल हैं। विधायक आफताब अहमद ने कहा कि 48 पन्ने के न्याय पत्र में न्याय के 10 स्तंभों पर जोर दिया गया है जिसे पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम की अध्यक्षता में तैयार किया गया। कॉंग्रेस विधायक दल के उप नेता आफताब अहमद ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान न्याय के पांच स्तंभों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। इनमें 25 गारंटियां निकलती हैं। इन सभी को भी घोषणा पत्र में शामिल किया गया है।

विधायक आफताब अहमद ने कहा कि युवाओं के लिए कॉंग्रेस सरकार बनने पर पहली नौकरी पक्की की गारंटी देने के लिए शिक्षु (अप्रेंटिस) एक्ट, 1961 को हटाकर प्रशिक्षुता (अप्रेंटिसशिप) अधिकार अधिनियम लाया जाएगा। यह कानून 25 वर्ष से कम उम्र के प्रत्येक डिप्लोमा धारक या कॉलेज स्नातक के लिए, निजी एवं सरकारी क्षेत्र की कंपनी में एक साल का प्रशिक्षुता कार्यक्रम प्रदान करेगा। इस कानून के तहत, हर प्रशिक्षु को एक लाख रुपए प्रति वर्ष का मानदेय दिया जाएगा। विधायक आफताब अहमद ने कहा कि नौकरी परीक्षाओं के लिए पेपर लीक होने के मामलों का निपटारा करने के लिए फास्ट-ट्रैक अदालतों का गठन और पीड़ितों को आर्थिक मुआवजा का कानून लाया जाएगा। इसके साथ साथ केंद्र सरकार में विभिन्न स्तरों पर स्वीकृत लगभग 30 लाख रिक्त पदों को भरा जाएगा। कॉंग्रेस नेता आफताब अहमद ने कहा कि स्टार्ट-अप के लिए फंड ऑफ फंड्स योजना का पुनर्गठन किया जाएगा और उपलब्ध फंड का 50 प्रतिशत, 5,000 करोड़ रुपए देश के सभी जिलों में समान रूप से आवंटित किया जाएगा। इसके अलावा उन आवेदकों को एक बार कि राहत मिलेगी, जो महामारी के समय 1 अप्रैल 2020 से 30 जून 2021 के दौरान सरकारी परीक्षा नहीं दे सके। आफताब अहमद ने बताया कि युवाओं के लिए सरकारी परीक्षाओं और सरकारी पदों के लिए आवेदन शुल्क समाप्त किया जाएगा और सभी छात्र शैक्षिक ऋणों के संबंध में 15 मार्च 2024 तक ब्याज सहित ऋण की देय राशि को माफ किया जाएगा और बैंकों को सरकार द्वारा प्रतिपूर्ति की जाएगी। इसके अलावा 21 वर्ष से कम आयु के प्रतिभाशाली और उभरते खिलाड़ियों को प्रति माह 10,000 रुपये की खेल छात्रवृति प्रदान किया जाएगा। विधायक आफताब अहमद ने कहा कि युवाओं के भविष्य के लिए कॉंग्रेस पार्टी ने गंभीरता से घोषणा पत्र बनाया है। कॉंग्रेस सरकार बनने पर युवाओं के सपनों को पंख लगाने का काम किया जाएगा। विधायक ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वो कॉंग्रेस को वोट देकर कॉंग्रेस सरकार बनवाएं फिर कॉंग्रेस उनके भविष्य को संवारने का काम करेगी।

फसल कटाई सीजन में होती हैं आग की 100 से अधिक घटनाएं

दमकल विभाग के पास दमकलकर्मी व गाड़ी दोनों कम!

कर्मचारी 72 और जरूरत 139 की

बिना छुट्टी के 12-12 घंटे कार्य कर रहे कर्मचारी।

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। जिले में गेहूं की कटाई शुरू हो चुकी है। गर्मियों के सीजन के दौरान छोटी-बड़ी आग लगने की घटनाएं भी बढ़ जाती हैं। लेकिन आग पर काबू पाने के लिए बनाया गया अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग कर्मचारियों और अग्निशमन गाड़ियों दोनों की कमी से जूझ रहा है। इससे कर्मचारी और आम लोग दोनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस समय पूरे जिले में सिर्फ 72 कर्मचारी तैनात हैं। इसमें चालक केवल 11 और फायरमैन 25 हैं। फायर ऑपरेटर कम ड्राइवर 22 और लीडिंग फायरमैन 10 हैं। वहीं 3 असिस्टेंट फायर स्टेशन ऑफिसर तैनात हैं। विभाग के अधिकारी मामचंद शर्मा का कहना है कि विभाग को सही तरीके से कार्य करने के लिए कुल 139 कर्मचारियों की आवश्यकता है। विभाग को सबसे ज्यादा 60 फायरमैन की आवश्यकता है। इसके लिए कई बार उच्चाधिकारियों को लिखा गया है, लेकिन अभी तक रिक्त पदों को नहीं भर जा सका है। कर्मचारियों की कमी के चलते विभाग के कर्मचारी 12-12 घंटे काम कर रहे हैं ताकि आग की घटनाओं को रोकने के लिए 24 घंटे काम चलता रहे। वहीं फसल की कटाई, त्योहार के सीजन में विभाग के कर्मचारियों की छुट्टी भी रद्द कर दी जाती है। इसके कारण कर्मचारियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। किसी कर्मचारी को कोई इमरजेंसी आती है, तो उसे अवकाश लेने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। कर्मचारियों को आराम देना भी जरूरी है, ताकि वे पूरी शक्ति से काम कर सकें। लेकिन कर्मचारियों की कमी से ऐसा नहीं हो पा रहा है। लंबे समय से विभाग में कर्मचारियों और अग्निशमन गाड़ियों की कमी चल रही है। इसके लिए उच्चाधिकारियों को कई बार पत्र लिखा जा चुका है। लेकिन इस पर उनके द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया गया। इससे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारी और अधिकारी मिल कर 24 घंटे काम कर रहे हैं, ताकि लोगों को किसी भी दुर्घटना से बचाया जा सके।

विभाग के अधिकारियों का कहना है कि रेवाड़ी में सिर्फ 1 फायर स्टेशन है। समय के साथ रेवाड़ी के क्षेत्रफल और जनसंख्या दोनों में वृद्धि हुई है। इससे आग लगने की घटनाओं में भी वृद्धि हुई है, लेकिन रेवाड़ी में केवल एक ही फायर स्टेशन है। शहर में एक और फायर स्टेशन बनाने के लिए अभय सिंह चौक पर टीडीपी स्कीम के तहत जमीन भी मिली हुई है। फायर स्टेशन के निर्माण के प्रस्ताव भेजा गया था। लेकिन अभी तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। विभाग के अधिकारियों के अनुसार एक अग्निशमन गाड़ी को 24 घंटे कार्य करने के लिए 8-8 घंटे की ड्यूटी के हिसाब से 18 कर्मचारियों की आवश्यकता होती है। एक गाड़ी को सही से संचालित करने के लिए एक चालक, 4 फायरमैन, 1 लीड फायरमैन की आवश्यकता होती है। इस हिसाब से भी विभाग को 24 घंटे काम करने के लिए 139 कर्मचारियों की आवश्यकता है लेकिन विभाग के पास सिर्फ 72 कर्मचारी हैं। वहीं विभाग अग्निशमन गाड़ियों की भी कमी से जूझ रहा है, विभाग के पास 17 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और 3 फायर बाइक ही हैं। इसमें फायर बाइक रेवाड़ी में 1, बावल में 1 और कोसली में 1 तैनात है। जो कि बहुत कम है, अगर इन शहरों में किसी ऐसी जगह पर आग लगने की घटना हो जाती है, जहां बड़ी अग्निशमन की गाड़ियां नहीं पहुंच सकती है, तो आग पर काबू पाना किसी चुनौती से कम नहीं होगा। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रेवाड़ी के लिए कई बार एक हाइड्रोलिक प्लेटफार्म, बावल और धारूहेड़ा के लिए 1-1 वाटर टेंडर और फोम टेंडर गाड़ियों के साथ फायर बाइक के लिए उच्चाधिकारियों को लिखा गया था, लेकिन अभी तक इसका कोई जवाब नहीं आया है।

रेवाड़ी में अनुशासन की पाठशाला में अनुशासन हीनता

सैनिक स्कूल एडमिन ऑफिसर को ग्रामीणों ने जमकर पीटा और ऑफिस में की तोड़फोड़।

दर्जनों लोगों ने ऑफिस में घुसकर दिया वारदात को अंजाम, प्राचार्य पर लोगों को उकसाने का आरोप।

खोल थाना पुलिस ने 9 लोगो के खिलाफ किया मामला दर्ज

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। देश की सीमाओं पर जंग लड़ने वाले सैनिकों के लिए अनुशासन से बढ़कर कुछ नहीं होता। अनुशासनहीनता सेना में किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाती। सैनिक स्कूल को भी अनुशासन की पाठशाला के रूप में देखा जाता है, लेकिन पाली गोठड़ा सैनिक स्कूल में बीते दिनों अनुशासन की सभी हदें उस समय पार हो गईं, जब दर्जनों ग्रामीणों ने ऑफिस में घुसकर एडमिन ऑफिसर के साथ मारपीट व ऑफिस में तोड़फोड़ की। एडमिन ऑफिसर ने वहां से भागकर अपनी जान बचाई। एडमिन ऑफिसर ने स्कूल के प्राचार्य पर लोगों को उकसाकर हमला कराने सहित कई आरोप लगाए हैं।

एडमिन ऑफिसर ने ट्रॉमा सेंटर में मेडिकल कराया है। पुलिस ने मामले की जांच कर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है जिसमें 9 लोगों को नामजद किया गया है। हम आपको बतां दें कुछ दिन पूर्व सैनिक स्कूल में एक महिलाकर्मी पर तीन नाबालिग छात्रों को मोबाइल से पोर्न फिल्म दिखाने व एक छात्र को शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव बनाने के आरोपों को लेकर एडमिन ऑफिसर अविनाश सिंह ने एसएचओ खोल को पत्र लिखा था। अविनाश का दावा है कि तीनों छात्रों की लिखित शिकायत पर जांच के बाद प्राचार्य ने ही उन्हें पत्र लिखने के निर्देश दिए थे। स्कूल की कमेटी भी मामले की जांच कर रही थी। प्राचार्य ने आरोपी महिला को निलंबित कर दिया था। इसके बाद छात्रों ने डीएसपी को बयान दर्ज कराते हुए बताया कि उन्होंने महिला कर्मचारी को सबक सिखाने के लिए झूठे आरोप लगाए थे, ताकि उसे स्कूल से निकाल दिया जाए। मामला मीडिया में सुर्खियों में आने के बाद बार-बार संपर्क करने के बावजूद प्राचार्य ने फोन तक अटैंड नहीं किया। मारपीट में घायल प्रशासनिक अधिकारी अविनाश सिंह ने आरोप लगाया कि वह बाहर के रहने वाले हैं। प्राचार्य लोकल होने के कारण लोकल स्टाफ की मदद से बाहर के स्टाफ सदस्यों को परेशान करते हैं। छात्रों का प्रकरण होने के बाद खुद प्राचार्य ने महिला कर्मी को सस्पेंड किया था। उन्हें पुलिस को पत्र लिखने के लिए कहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि प्राचार्य ने बड़ी संख्या में ग्रामीणों को भड़काकर उनके कार्यालय में भेज दिया। इन लोगों ने बिना वजह उन्हें बाहरी बताकर मारपीट शुरू कर दी। मैंने वहां से भागकर जान बचाई। ऑफिस में डीवीआर व अन्य सामान तोड़ दिया गया। फिलहाल अविनाश सिंह ने ट्रॉमा सेंटर में मेडिकल कराया है। इस संबंध में मीडिया ने प्राचार्य से लेकर पुलिस अधिकारियों से बात करने के प्रयास किए गए, लेकिन संबंधित अधिकारियों ने फोन तक नहीं उठाए।

सोफे के गोदाम में लगी आग, लाखों का माल जल कर हुआ स्वाहा

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। शहर के नसिया जी रोड स्थित एक सोफे के गोदाम में शुक्रवार की शाम भीषण आग लग गई। आग की लपटें गोदाम के बाहर तक निकलती दिखाई दी, इसकी सूचना तुरंत दमकल विभाग को दी गई। सूचना के बाद दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश की। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के एक व्यापारी का नसिया जी रोड पर सोफे का गोदाम है। इस गोदाम में लाखों रुपए का सामान भरा हुआ है। शुक्रवार की शाम करीब 4:00 बजे गोदाम में आग लग गई। गोदाम में मौजूद कर्मचारियों ने इसकी सूचना तुरंत दमकल विभाग को दी। दमकल विभाग के कर्मचारी समाचार लिखे जाने तक आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे थे व कुछ हद तक आग पर काबू भी पा लिया गया था। गोदाम मालिक के अनुसार आग के कारण उनका लाखों रुपए का नुकसान हुआ है हालांकि असल नुकसान का पता आग को बुझाने के बाद ही पता चलेगा वहीं आग की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। थाना शहर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

धानुका एग्रीटेक अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र सिहौल में किसान गोष्ठी आयोजित

समाचार गेट/ज्योति खंडेलवाल

पलवल। गोष्ठी में मूंग व कपास की एकीकृत कृषि पद्धतियों के बारे में किसानों जागरूक किया गया। गोष्ठी का शुभारंभ बागवानी विभाग हरियाणा के पूर्व निदेशक डॉ.बीएस सहरावत ने किया। गोष्ठी में डॉ.बीएस सहरावत ने किसानों को आय बढ़ाने की रणनीति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि धानुका एग्रीटेक अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र द्वारा जिले में 20 एकड़ मूंग और 20 एकड़ में कपास के प्रदर्शन प्लांट लगाए जाएगें। प्रदर्शन प्लांट के माध्यम से किसानों को मूंग एवं कपास की उन्नत खेती करने के बारे में प्रशिक्षित किया जाएगा। डॉ.जोगेंद्र सिंह द्वारा किसानों को कपास में एकीकृत फसल प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। डॉ.सुदंर लाल ने किसानों को मूंग की खेती के बारे में जानकारी प्रदान की। डॉ.मनोज कुमार ने किसानों को खरपतवार प्रबंधन, मूंग एवं कपास के रोग एवं उनके नियंत्रण के उपाय बताए। डॉ.विश्वास वैभव ने किसानों को कीट व उनका नियंत्रण के बारे में जानकारी दी। डॉ.जितेंद्र कुमार ने मृदा परीक्षण व स्वास्थ्य के बारे में बताया।

भाजपा सरकार में शहरों की तर्ज पर हो रहा गांवों का विकास : कृष्णपाल गुर्जर

भाजपा प्रत्याशी का गांव भूपानी में ग्रामीणों ने किया जोरदार स्वागत

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी कृष्णपाल गुर्जर ने आज देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बोलबाला है, प्रधानमंत्री ने जो कार्य पिछले दस वर्षो के दौरान किए है, अब पूर्व की कांग्रेस सरकार ने 70 सालों के दौरान कभी नहीं किए। कड़े फैसले लेकर मोदी जी ने इस देश की एकता व अखंडता को बचाने का काम किया है, आज हर वर्ग उन्हें तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प ले चुका है। श्री गुर्जर अपने चुनावी अभियान के तहत आज तिगांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव भूपानी में आयोजित सभा में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। जनसंपर्क अभियान के तहत जगह-जगह गांवों में लोगों ने फूल मालाओं से, ढोल-नगाड़ों की थाप पर पगड़ी बांधकर श्री गुर्जर का स्वागत किया और उन्हें विश्वास दिलाया कि अबकि बार लोकसभा क्षेत्र में उनकी जीत दस लाख से ज्यादा वोटों से होगी। उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार ने दस वर्षो में देश व प्रदेश की दिशा और दशा बदलने का काम किया है, फरीदाबाद जिला भी पिछले दस वर्षो में विकास की राह पर अग्रसर हुआ है, शहर और या गांव विकास का पहिया चहुंओर बराबर चला है और लोगों को मौलिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए सरकार पूरी तरह से प्रयासरत रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में योजनाबद्ध तरीके से शहरों की तर्ज पर गांवों का विकास किया जा रहा है, पिछले 10 सालों में फरीदाबाद की जनता को बिजली, पक्की सडक़, सिवरेज, मीठे पानी की सप्लाई और इंटर लाकिगं टाइलों से बनाई गई गलियां सहित तमाम मूलभूत विकास कार्यों की सौगात मिली हैं और केंद्र व प्रदेश सरकार ने फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र में विकास कार्य करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। श्री गुर्जर ने कहा कि केंद्र व प्रदेश की सरकार ने समाज के वंचित लोगों के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं, जिससे हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि आने वाली 25 मई को कमल के सामने वाला बटन दबाकर देश में फिर से मोदी सरकार बनाने का काम करे ताकि विकास का यह सिलसिला ऐसे ही चलता रहे। इस मौके पर उनके साथ मुख्य रूप से तिगांव विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक राजेश नागर, जगत सिंह भाटी, शिव कुमार त्यागी, अमरपाल नागर सहित अनेकों गणमान्य लोग मौजूद थे।

उन्नत समाज के लिए महिलाओं का स्वावलंबी होना जरूरी : ललित नागर

पूर्व विधायक ने गांव बदरौला में किया डेवलपमेंट सेंटर का उद्घाटन

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। तिगांव विधानसभा क्षेत्र के गांव बदरौला में स्त्री शक्ति पहल समिति द्वारा सावित्री कमल नयन बजाज डेवलपमेंट सेंटर का पूर्व विधायक ललित नागर ने रिबन काटकर विधिवत रूप से उद्घाटन किया। इस दौरान समिति की संचालक एवं चेयरमैन श्रीमती पूनम सिनसिनवार व अन्य महिलाओं ने ललित नागर का फूलो का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक ललित नागर ने कहा कि उन्नत समाज के लिए महिलाओं का स्वावलंबी होना जरूरी है क्योंकि आज के युग में महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों से कमतर नहीं बल्कि उनके कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि डेवलपमेंट सेंटर ऐसे माध्यम होते है, जहां महिलाएं अपने कैरियर को नया मुकाम दे सकती है और परिवार संभालने के साथ-साथ स्वरोजगार भी चला सकती है। उन्होंने उपरोक्त संस्था की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि इस सेंटर के खुलने से गांव की जो बहन-बेटियां किन्हीं कारणों से पढ़ाई से वंचित रह गई थी, अब उक्त संस्था उन्हें सिलाई, कढ़ाई, ब्यूटी पार्लर कोर्स, कंप्यूटर कोर्स आदि की शिक्षा उपलब्ध हो पाएगी जिससे युवतियों व महिलाओं भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकेगी। इस अवसर पर स्त्री शक्ति पहल समिति संचालक श्रीमती पूनम सिनसिनवार ने बताया कि उनकी संस्था द्वारा संचालित डेवलपमेंट सेंटर पिछले 23 सालों से हरियाणा के विभिन्न जिलों के 20 गांवों में सेंटर खोलकर हजारों महिलाओं व बच्चों को स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार देने का काम कर रहा है। उनके इन सेंटरों में प्रमुख रूप से सिलाई कढ़ाई, ब्यूटी पार्लर, कंप्यूटर आदि प्रशिक्षण निशुल्क कराए जाते है वहीं शिक्षा से वंचित बच्चों को बालवाड़ी अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा के साथ जोड़ा जा रहा है। इस मौके पर करतार सिंह नागर, सूबेदार धीरज अधाना, पारूल चौधरी, मंजू रामकिशन, कालीचरण, राजवीर ठेकेदार, अशोक कुमार, जयप्रकाश, धर्मेंद्र, मनोज, सुरेंद्र, सुभाष, भागवत, अशोक, ईश्वर सिंह, उदयवीर सहित सैकड़ों महिलाएं एवं बच्चे मौजूद थे।

योग के माध्यम से तन और मन को रखा जा सकता है स्वस्थ व शुद्ध : शत्रुजीत कपूर

तनाव मुक्त जीवन शैली अपनाने के लिए डीजीपी ने पुलिस अधिकारियों के साथ की योग क्रियाएं

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। प्रदेश में पहली बार आयोजित किए जा रहे प्रथम पुलिस महानिरीक्षक/अधीक्षक सम्मेलन के दूसरे दिन शुक्रवार की शुरुआत सभी पुलिस अधिकारियों ने योग क्रियाएं करते हुए की।

इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते हुए डीजीपी शत्रुजीत कपूर के साथ तनावमुक्त जीवन शैली अपनाने के लिए योग क्रियाएं की। योग क्रियाओ के इस सत्र में पुलिस अधिकारियों को विभिन्न प्रकार के योगासन करवाए गए। योगाचार्य हेमंत ने पुलिस अधिकारियों को तनाव मुक्त जीवन शैली अपनाने में योग क्रियाओ जैसे-प्राणायाम, भस्त्रिका, नाड़ी शोधन की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। इसके अलावा योग सत्र में सभी ने मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक ध्यान की क्रियाएं और गायत्री मंत्र का उच्चारण किया। योगासन के दौरान सभी पुलिस अधिकारियों को शिथिलीकरण अभ्यास के आसन भी करवाए गए। योग आचार्य ने उष्ट्रासन, शशकासन, उत्तानमंडूकासन, वक्रासन, मक्रासन, भुजंगासन, शलभासन, सेतुबंध आसन, उत्तानपाद आसन, अर्धहलासन, पवन मुक्तासन, शवासन, कपालभाति, शीतली प्राणायम करवाया।

उन्होंने योग साधकों को इन सभी आसनों से मिलने वाले लाभ के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। योग सत्र का समापन शांतिपाठ के साथ किया गया। पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा कि योग के माध्यम से तन और मन को स्वस्थ व शुद्ध रखा जा सकता है।

योग शारीरिक, मानसिक, अध्यात्मिक व सामाजिक स्वास्थ्य का साधन है। योग हमें सम्पूर्णता से जीवन जीने की राह दिखाता है और तन और मन के विकारों को दूर करता है। उन्होंने कहा कि हम योग को अपनाकर संतुलित जीवन का निर्वहन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि योग से जीवन में संतुलन कायम होता है तथा हमें अनेक प्रकार की बीमारियों से मुक्ति मिलती है। इस अवसर पर पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महिलाओं का बार-बार अपमान करते हैं कांग्रेसी : धर्मवीर भड़ाना

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। भाजपा सांसद एवं मथुरा से भाजपा प्रत्याशी हेमा मालिनी के विरुद्ध कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला की अशोभनीय टिप्पणी पर भाजपा नेता धर्मवीर भड़ाना ने इसे महिलाओं के प्रति कांग्रेस की व्यवर्सथित और कुतसित मानसिकता बताते हुए कहा कि कांग्रेसियों ने इसी तरह के कई अशोभनीय बयान दिए हैं। कांग्रेसी हमेशा महिलाओं का अपमान करते हैं।

धरमवीर भड़ाना ने कहा कि कहा कि रणदीप सुरजेवाला ने सांसद हेमा मालिनी के लिए जिस प्रकार के आपततिजनक, अशोभनीय और अभद्र शब्दों का इस्तेमाल किया, उन्हें किसी औपचारिक मंच से बोलना भी संभव नहीं है।

यह आजादी के बाद भारत की राजनीति में कांग्रेस के द्वारा महिलाओं की अवमानना की एक नई निम्नता है। यह विषय कांग्रेस की व्यवर्सथित और कुतसित मानसिकता का है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले कांग्रेस की सोशल मीडिया प्रभारी के ऑफिशियल एक्स हैंडल से मंडी प्रत्याशी कंगना रनौत के प्रति किस तरह का भाव सामने आया। इसी तरह राहुल गांधी ने ऐश्वर्या राय बच्चन के लिए किस तरह के शब्दों का प्रयोग किया था। उन्होंने कहा कि रणदीप सिंह सुरजेवाला ही नहीं राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी देश से माफी मांगे।

लोकसभा क्षेत्र में 6321 सर्विस मतदाता, ईटीपीबी से होगा मतदान

चुनाव ड्यूटी वाले अधिकारी और कर्मचारी करेंगे फार्म नम्बर 12 क के जरिये मतदान

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। लोकसभा निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि फरीदाबाद लोक सभा क्षेत्र में 6321 सर्विस मतदाता हैं इनमें जिला फरीदाबाद में 1888 और पलवल जिला में 4433 मतदाता हैं। लोक सभा निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि सर्विस मतदाताओं का इलेक्ट्रोनिक ट्रांसफर पोस्टल बैल्ट/ ईटीपीबी से मतदान किया जाएगा। वहीं 18वीं लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव ड्यूटी वाले अधिकारी और कर्मचारी फार्म नम्बर 12 क के जरिए मतदान अपने अपने लोकसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी को भेजना होगा। दरअसल बता दें कि भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार मुख्य तौर पर सेना या फिर अर्धसैनिक बलों के जवानों लिए ये टर्म यूज किया जाता है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार लगभग सभी सुरक्षाबलों के लिए सर्विस वोटिंग का ही इस्तेमाल होता है। इसके अलावा जिन सरकारी कर्मचारियों की वोटिंग के दौरान किसी और जगह ड्यूटी होती है, वो भी सर्विस वोटर होते हैं। इनमें सरकार के अलग-अलग विभागों के लोग शामिल होते हैं, जो पोस्टल वोटिंग के जरिए वोट डालते हैं। अब सवाल है कि अगर सर्विस वोटर पोलिंग बूथ पर नहीं पहुंच सकते हैं। तो वो वोटिंग में कैसे हिस्सा लेते हैं। दरअसल ऐसे वोटर्स के लिए एक मेल भेजा जाता है, जिसे फॉर्म-2, 2ए और फॉर्म 3 कहा जाता है। इसका प्रिंट आउट निकालकर इसमें टिक मार्क करना होता है। यानी जिस उम्मीदवार या पार्टी को वोट करना है उसके आगे टिक करना होता है। इसके बाद इसे एक लिफाफे में बंद कर अपने निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव अधिकारी को भेज दिया जाता है। ईवीएम में मौजूद वोटों की काउंटिंग के बाद इन वोटों की गिनती होती है। भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार फॉर्म की अगर बात करें तो तीनों सेनाओं के जवानों के लिए फॉर्म-2 होता है। इसके अलावा पुलिस फोर्स और बाकी फोर्सेस के लिए फॉर्म-2ए होता है। सरकारी कर्मचारी जो देश से बाहर हैं, उनके लिए फॉर्म-3 होता है, जिसे भरकर वो अपने निर्वाचन क्षेत्र में भेजते हैं और अपना मत दान कर सकते है।

जागरूकता रैली निकाल विद्यार्थियों ने समझाया मतदान का महत्व

स्वीप कार्यक्रम के तहत जिला के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जागरूकता गतिविधियों का किया जा रहा आयोजन : एडीसी

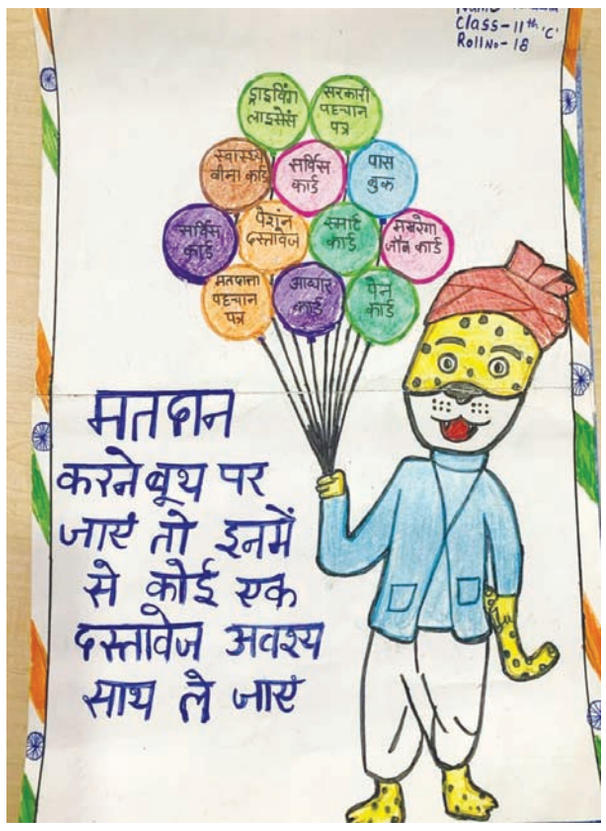

समाचार गेट ब्यूरो

गुरुग्राम। गुरूग्राम जिला में लोकसभा सामान्य निर्वाचन में इस बार शत प्रतिशत मतदान कराये जाने को लेकर स्वीप कार्यक्रम के तहत लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को जिला में स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं एडीसी हितेश कुमार मीणा के मार्गदर्शन में जिला के समस्त विधानसभा क्षेत्र में स्थित स्कूलों में क्विज प्रतियोगिता, रंगोली व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अलावा विकासखंड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर भी लोगों को मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। जागरूकता कार्यक्रमों के क्रम में गांव खेन्टावास व बुडेहेड़ा में स्थित राजकीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने गांव की गलियों में जागरूकता रैली निकाल कर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया और वोट देने की अपील की। छात्र-छात्राओं ने सब काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो, प्रजातंत्र से नाता है, भारत के मतदाता है, मतवाला मतदाता है, आओ मिलकर अलख जगाए शत प्रतिशत मतदान कराए आदि नारे के माध्यम से वोट के लिए प्रेरित किया।

एडीसी हितेश कुमार मीणा ने बताया कि प्रत्येक शिक्षण संस्थान में एक वरिष्ठ अध्यापक को स्वीप अभियान को सफलतापूर्वक संचालित करने की जिम्मेदारी दी गई है। विद्यार्थियों को स्वीप सभाओं में वोट के महत्व के बारे में बताया जाता है। उन्हें कहा जाता है कि वे भी अपने घर जाकर अभिभावकों को वोट देने के लिए कहें। मतदान करने के पश्चात अभिभावकों के साथ छात्र-छात्राएं मोबाइल से फोटो खिंचवाएं और इनको सोशल मीडिया पर अपलोड करें। उन्होंने बताया कि लोकतंत्र के इस सबसे बड़े पर्व में जिला का कोई वोटर अछूता ना रहे इसके लिए सभी समस्त विभागों द्वारा कार्य योजना तैयार कर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके क्रम में प्रतिदिन मतदाता जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम मतदान दिवस तक जारी रहेगा।

रिश्वत के पैसे लेकर जीएसटी इंस्पेक्टर फरार, एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम में मचा हड़कंप

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। रिश्वत के पैसे लेकर जीएसटी इंस्पेक्टर एंटी करप्शन ब्यूरो को चकमा देकर फरार हो गया। पलवल जननौली के रहने वाले सुरेंद्र कुमार को अपना व्यवसाय शुरू करने को लेकर जीएसटी नंबर की जरूरत थी। उसने जीएसटी नंबर के लिए आवेदन भी किया हुआ था। दो दिन पहले उनके पास एनआईटी चार जीएसटी ऑफिस से इंस्पेक्टर सुरेश कुमार मीणा का फोन आया। इंस्पेक्टर ने सुरेंद्र कुमार को कहा कि उनको जीएसटी नंबर मिल जाएगा, लेकिन उनको 10 हजार रुपये देने होंगे। यह पैसे नहीं देने पर उसको जीएसटी के लिए काफी दिनों तक परेशान होना पड़ेगा। सुरेंद्र ने मामले की जानकारी एंटी करप्शन ब्यूरो को दी। एंटी करप्शन ब्यूरो के इंस्पेक्टर मुकेश गिरी की अध्यक्षता में टीम गठित करके जीएसटी इंस्पेक्टर को रंगे हाथ गिरफ्तार करने की तैयारी की गई। सुरेंद्र कुमार को 10 हजार रुपये की गड्डी में पाउडर लगाकर दिए गए। उनको बताया कि वह इंस्पेक्टर को पैसे देकर अपनी बातों में उलझाए रखे। ताकि वह मौके पर पहुंचकर उसको गिरफ्तार कर ले। सुरेंद्र कुमार गुरुवार शाम को जीएसटी ऑफिस पहुंच गया। जहां पर उसने सुरेश कुमार के ऑफिस में पहुंचकर उसको पैसे पकड़ा दिए। शिकायकर्ता से केवल इतनी गलती हो गई कि वह पैसे देकर इंस्पेक्टर को बातों में उलझाने के बजाय उसके आफिस से बाहर आकर इशारा करने की तैयारी करने लगा। ऐसे में जीएसटी इंस्पेक्टर को शक हो गया। तभी वह चकमा देकर मौके से फरार हो गया।

एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम को जीएसटी इंस्पेक्टर के ऑफिस पहुंचने में थोड़ा लेट हो गई। जीएसटी अधिकारी के रिश्वत के पैसे लेकर फरार होने के बाद पूरी एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम में हडक़ंप मच गया। टीम ने इंस्पेक्टर के ऑफिस की पूरी पड़ताल की। हालांकि कॉल रिकार्डिंग के आधार पर जीएसटी इंस्पेक्टर पर मामला दर्ज कर दिया गया है। फरार जीएसटी अधिकारी की तलाश की जा रही है।

आई.टी.आई गुरुग्राम में 10 अप्रैल को रोजगार मेले का आयोजन

मेले में विभिन्न क्षेत्रों की छह कंपनियां ले रही हैं भाग

समाचार गेट ब्यूरो

गुरुग्राम। राजकीय औधोगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) गुरुग्राम द्वारा 10 अप्रैल को प्लेसमेंट के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में भाग ले रही विभिन्न क्षेत्रों की छह कंपनियां अपनी जरूरतों व नियमों के हिसाब से आईटीआई पास छात्रों का चयन करेगी। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गुरुग्राम के प्राचार्य जयदीप सिंह कादियान ने बताया कि कौशल विकास एवं औधोगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा के निदेशक द्वारा जारी निर्देशानुसार 10 अप्रैल को आईटीआई गुरुग्राम के प्रांगण में प्लेसमेंट हेतु रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें हरियाणा निवासी कोई भी आईटीआई पास विद्यार्थी भाग ले सकता है। मेले में छह विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियां भाग ले रही है जो अपने नियम व शर्तों के हिसाब से 500 विद्यार्थियों का चयन करेंगी।

कादियान ने कहा की मेले में भाग लेने के इच्छुक किसी भी प्रतिभागी को इस विषय से संबंधित कोई भी जानकारी चाहिए तो संस्थान में आकर अथवा 01242300190 पर सम्पर्क कर इस विषय में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकता है। वहीं जिन छात्र छात्राओं ने अभी तक अपने एनएसी व पीएनएसी प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं किए हैं वे किसी भी कार्यदिवस पर संस्थान के शिक्षुता शाखा से प्राप्त कर सकते हैं।

शिक्षा को संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण का माध्यम बनाए विद्यार्थी : डीसी

विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान कर की उज्ज्वल भविष्य व मंगलमय जीवन की कामना

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। डीसी राहुल हुड्डा ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री या सर्टिफिकेट प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, विद्यार्थियों को इसे संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण का माध्यम बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर छात्र व्यावहारिक ज्ञान से परिपूर्ण होना चाहिए। जब वह शिक्षण संस्थान से पास होकर निकले तो भारत के ऐसे नागरिक के रूप में खुद को स्थापित करें जो भरपूर ऊर्जा व आत्मविश्वास से भरा हुआ हो। उन्होंने कहा कि उन्हें जीवन के जिस भी क्षेत्र में जो जिम्मेदारी दी जाए, वे पूरे आत्मविश्वास के साथ उसे चुनौती के रूप में स्वीकार कर लक्ष्य तक पहुंचाने में अपना योगदान दे सके। डीसी राहुल हुड्डा शुक्रवार को कोसली स्थित राजकीय महाविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह का दीप प्रज्ज्वलन करने उपरांत बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर विद्यार्थी के जीवन में दीक्षांत समारोह का दिन बेहद खास होता है। इस दिन उन्हें अपनी साल भर की मेहनत का फल मिलता है। इस खास दिन पर छात्र-छात्राओं को डिग्री, प्रशस्ति पत्र और पदक से नवाजा जाता है। छात्र-छात्राओं के साथ-साथ उनके माता-पिता व अभिभावकों के लिए भी यह दिन बेहद गौरव भरा पल होता है। उन्होंने कहा कि समय की मांग है कि विद्यालयों, महाविद्यालयों विश्वविद्यालयों में ऐसे माहौल को बढ़ावा दिया जाए जहां नवाचार फलता-फूलता हो। उन्होंने विद्यार्थियों को दृढ़ता और मेहनत के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जीवन में कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। इसके अलावा उन्होंने छात्रों को माता-पिता के आशीर्वाद के महत्व का स्मरण कराया। उन्होंने इस अवसर पर पिछले तीन वर्षों के पासआउट विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य व मंगलमय जीवन की कामना की। डीसी ने इस अवसर पर देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी शहादत को नमन किया। उन्होंने महाविद्यालय प्रांगण में पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर एसडीएम कोसली उदय सिंह, महाविद्यालय प्राचार्य डा. सुधीर यादव, उप प्राचार्य डा. विवेक यादव, डा. लक्ष्य कौशल, सह संयोजक विनोद कुमार, सुरेंद्र कुमार, डॉक्टर लाजवंती, संजीव कुमार ,योगेश यादव, हकीकत, ओम प्रकाश यादव, अमित यादव, डॉक्टर संध्या, मिस प्रीति, जसवंत जाखड़ ,विकास शर्मा, जसमेर अहलावत ,नीलम यादव, रेनू यादव, रेनू जांगड़ा सहित गणमान्य व्यक्ति व शिक्षकगण व विद्यार्थी मौजूद रहे।

केएलपी कॉलेज में सेक्सुअल हैरेसमेंट रोकथाम पर सेमिनार

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। जिला मुख्यालय स्थित किशनलाल पब्लिक कॉलेज की इंटरनल कंप्लेंट्स कमेटी के तत्त्वावधान में प्रिवेंशन ऑफ सेक्सुअल हैरेसमेंट विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी डॉ. अर्चना सूटा उपस्थित रही। प्राचार्य डॉ. कविता गुप्ता, डॉ. अनुराधा दीपक, डॉ. प्रतिभा राव, डॉ ममता शर्मा तथा डॉ. दिव्या ने पौधा देकर मुख्य वक्ता का स्वागत किया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ. अर्चना सूटा ने भंवरी देवी तथा केपीएस गिल बनाम रूपन देओल बजाज विवादों के बारे में बताते हुए विशाखा गाइडलाइंस-1997 तथा पोश-एक्ट 2013 के बारे में विस्तार से समझाया। डॉ. सूटा ने यौन उत्पीडन के क्विड प्रो क्यो चिन्ह की जानकारी देते हुए प्रिवेंशन, प्रोहिबिशन और रिड्रेसल के सिद्धांत का पालन करते हुए, 45 दिन में जांच और 3 माह के भीतर निवारण होने की अनिवार्यता से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को शी बॉक्स पोर्टल, इंटरनल कंप्लेंट कमिटी के संगठन तथा कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।

कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में उपस्थित प्राचार्य डॉ. कविता गुप्ता ने विद्यार्थियों से व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक व्यवहार में इन जानकारियों के क्रियान्वयन की आवश्यकता पर बल देने की बात कहकर मुख्य वक्ता का भी आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन डॉ. प्रतिभा ने किया। इंटरनल कंप्लेंट समिति की कन्वीनर डॉ. अनुराधा दीपक ने मुख्य-वक्ता, प्राचार्य सहित उपस्थित शिक्षक तथा विद्यार्थियों का आभार प्रकट किया। कॉलेज कार्यकारिणी के प्रधान अमित गुप्ता, उपप्रधान संदीप खंडेलवाल, महासचिव कपिल कुमार गोयल और कोषाध्यक्ष हेमंत अग्रवाल ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन पर इंटरनल कंप्लेंट समिति टीम को शुभकामनाएँ प्रेषित की। इस अवसर पर इंटरनल कंप्लेंट समिति के सदस्य डॉ. प्रतिभा, डॉ. ममता शर्मा तथा डॉ. दिव्या सहित डॉ. मंजू गर्ग, डॉ. जया शर्मा, श्रीमती मीनू घई, डॉ. गायत्री यादव, डॉ. मेघना शर्मा, डॉ. विकास पोपली, डॉ. ऋचा शर्मा, डॉ. संगीता यादव, डॉ. रेखा रानी, श्रीमती मोनिका यादव, हरभजन सिंह, मुकुट अग्रवाल, खुशबू राव, पूजा सोनी, अंजली वर्मा, प्रवीण कुमारी, प्रीत कुमारी, उर्मिला कुमारी, प्रतिभा राव, ज्योति शर्मा आदि शिक्षकों सहित सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ ने की नियुक्तियां

सुरेंद्र वशिष्ठ प्रदेश सचिव व सतीश शर्मा बने बावल शहरी प्रधान।

कैबिनेट मंत्री डॉ बनवारीलाल ने दी शुभकामनाएं।

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ के विस्तार एवं नियुक्ति कार्यक्रम का आयोजन बवाल विधानसभा में किया गया, जिसकी अध्यक्षता हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ बनवारी लाल ने की। इस मौके पर राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट भूपेंद्र सिंह ने हरियाणा प्रदेश में सचिव की जिम्मेदारी सुरेंद्र वशिष्ठ को तथा बावल विधानसभा शहरी प्रधान की जिम्मेदारी सतीश शर्मा को दी। इस मौके पर डॉक्टर बनवारी लाल ने कहा कि यह दोनों ही कार्यकर्ता बहुत अच्छे हैं और कर्मशील है, ये धरातल से जुड़े हुए कार्यकर्ता है। ये व्यापारियों के हित में काम करेंगे तथा दोनों को नवीन दायित्व के लिए बधाई दी। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह गुप्ता ने कहा की राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ व्यापारियों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है तथा सरकार की जो कल्याणकारी नीतियां है उनको व्यापारियों तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है। यह सभी ट्रेड के व्यापारियों को एक प्लेटफार्म पर लाना चाहता है, ताकि व्यापार की जितनी भी दिक्कत है वह दूर की जाए। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष अमरजीत सिंह, प्रीतम सोनी, राजेश सोनी, संजय नरूला, बलराज दायमा, सोनू , मनीष सोनी, नानक टक्कर, शशि, हरीश, संजय गेरा, अतुल गुप्ता, संजीव शर्मा, डॉ रामनिवास, अरुण व बाजार के अन्य व्यापारी उपस्थित रहे।

रेवाड़ी में कबाड़ के गोदाम में लगी आग

तीन झुग्गी और प्लास्टिक का सामान जलकर हुआ राख

दो बाइक व एक साइकिल भी जली

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। जिले के गांव करनावास स्थित एक कबाड़ के गोदाम में वीरवार रात्रि में आग लग गई। आग की वजह से गोदाम के पास ही बनी तीन झुग्गियां, दो बाइक व एक साइकिल के अलावा प्लास्टिक का सामान भी जलकर राख हो गया। आग की सूचना के बाद फायरब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और बड़ी मशक्कत के साथ आग पर काबू पाया। यूपी निवासी साहिल ने मीडिया को बताया काफी लोग गांव करनावास में झुग्गी झोपड़ी में रहते हैं, पास में ही कबाड़ का गोदाम बना हुआ है। आसपास की कंपनियों से निकलने वाला प्लास्टिक स्क्रैप यहां एकत्रित किया जाता है। गुरुवार की रात करीब 11:00 बजे वह अपनी झुग्गी में सोया हुआ था तभी उसकी पत्नी ने जगाया और बताया कि बाहर आग लगी हुई है। उसने तुरंत अन्य झुग्गियों में सो रहे लोगों को जगाया मगर देखते ही देखते आग काफी दूर तक फैल गई और तीन झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया। गोदाम में प्लास्टिक का सामान होने के कारण आग काफी तेजी से फैलती चली गई। झुग्गियों में रहने वाले लोगों ने पहले अपने स्तर पर आग पर काबू पाने की कोशिश की, कुछ देर बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। साहिल के मुताबिक तीन झुग्गी और गोदाम में रखा लाखों रुपए का कबाड़ जल का राख हो गया, इतना ही नहीं दो बाइक और एक साइकिल भी जली हुई है। हालांकि आग किस वजह से लगी या नहीं पता चल पाया है। हम आपको बतां दें कुछ समय पहले भी इस गोदाम में आग लग गई थी जिसमें लाखों रुपए का नुकसान हुआ था।

यूपी मदरसा के 17 लाख छात्रों को राहत... सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर लगाई रोक

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से इस मामले में जवाब मांगा है. जुलाई के दूसरे हफ्ते में इस मामले पर सुनवाई होगी और तब तक हाईकोर्ट के फैसले पर रोक रहेगी । यूपी के 16000 मदरसों के 17 लाख छात्रों के लिए यह बड़ी राहत की बात है. फिलहाल 2004 के कानून के तहत मदरसों में पढ़ाई चलती रहेगी।

समाचार गेट ब्यूरो

नई दिल्ली, 5 अप्रैल। उत्तर प्रदेश मदरसा एक्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हाईकोर्ट ने मदरसा एक्ट के प्रावधानों को समझने में भूल की है. हाई कोर्ट का ये मानना कि ये एक्ट धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ है, गलत है. इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच द्वारा यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को असंवैधानिक करार दिए जाने को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है । उत्तर प्रदेश मदरसा एक्ट को रद्द करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान मदरसा बोर्ड की तरफ से अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि हाईकोर्ट का अधिकार नहीं बनता कि इस एक्ट को रद्द करे 17 लाख छात्र इस फैसले से प्रभावित हुए हैं. वहीं, करीब 25000 मदरसे प्रभावित हुए हैं । ये लगभग 125 साल पुराना है, 1908 से मदरसा रजिस्टर हो रहे हैं ।

हाईकोर्ट ने मदरसा एक्ट के प्रावधानों को समझने में भूल की

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हाईकोर्ट ने मदरसा एक्ट के प्रावधानों को समझने में भूल की है । हाई कोर्ट का ये मानना कि ये एक्ट धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ है, गलत है. सुपीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओ पर केंद्र, यूपी सरकार, यूपी मदरसा एजुकेशन बोर्ड को नोटिस जारी किया । कोर्ट ने यूपी और केंद्र सरकार को 31 मई तक जवाब दखिल करने को कहा है ।

यूपी के 16000 मदरसों के 17 लाख छात्रों को राहत

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से इस मामले में जवाब मांगा है. जुलाई के दूसरे हफ्ते में इस मामले पर सुनवाई होगी और तब तक हाईकोर्ट के फैसले पर रोक रहेगी । यूपी के 16000 मदरसों के 17 लाख छात्रों के लिए यह बड़ी राहत की बात है । फिलहाल 2004 के कानून के तहत मदरसों में पढ़ाई चलती रहेगी । सुप्रीम कोर्ट ने कहा, इलाहाबाद हाई कोर्ट प्रथम दृष्टया सही नहीं है. ये कहना सही नहीं कि ये धर्मनिरपेक्षता का उल्लंघन है. खुद यूपी सरकार ने भी हाईकोर्ट में ऐक्ट का बचाव किया था । हाई कोर्ट ने 2004 के एक्ट को असंवैधानिक करार दिया था.

क्या यह 100 साल पुराने कानून को खत्म करने का आधार

चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूण, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने इस मामले पर सुनवाई की. इस दौरान सिंघवी ने कहा, आज लोकप्रिय गुरुकुल हैं, क्योंकि वे अच्छा काम कर रहे हैं. हरिद्वार, ऋषिकेश में कुछ बहुत अच्छे गुरुकुल हैं. यहां तक कि मेरे पिता के पास भी उनमें से एक की डिग्री है तो क्या हमें उन्हें बंद कर देना चाहिए और कहना चाहिए कि यह हिंदू धार्मिक शिक्षा है ? क्या यह 100 साल पुराने कानून को खत्म करने का आधार हो सकता है ?

सिंघवी ने कहा- सिर्फ इसलिए कि मैं हिंदू धर्म या इस्लाम आदि पढ़ाता हूं

सिंघवी ने कहा, यदि आप अधिनियम को निरस्त करते हैं, तो आप मदरसों को अनियमित बना देते हैं और 1987 के नियम को नहीं छुआ जाता. हाईकोर्ट का कहना है कि यदि आप धार्मिक विषय पढ़ाते हैं, तो यह धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ है, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि धार्मिक शिक्षा का अर्थ धार्मिक निर्देश नहीं है. सिंघवी ने कहा, सिर्फ इसलिए कि मैं हिंदू धर्म या इस्लाम आदि पढ़ाता हूं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि मैं धार्मिक शिक्षा देता हूं. इस मामले में अदालत को अरुणा रॉय फैसले पर गौर करना चाहिए. राज्य को धर्मनिरपेक्ष रहना होगा, उसे सभी धर्मों का सम्मान करना चाहिए और उनके साथ समान व्यवहार करना चाहिए. राज्य अपने कर्तव्यों का पालन करते समय किसी भी तरह से धर्मों के बीच भेदभाव नहीं कर सकता. चूंकि शिक्षा प्रदान करना राज्य के प्राथमिक कर्तव्यों में से एक है, इसलिए उसे उक्त क्षेत्र में अपनी शक्तियों का प्रयोग करते समय धर्मनिरपेक्ष बने रहना होगा. वह किसी विशेष धर्म की शिक्षा, प्रदान नहीं कर सकता या अलग-अलग धर्मों के लिए अलग-अलग शिक्षा प्रणाली नहीं बना सकता.

मदरसों की तरफ से वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि ये संस्थान विभिन्न विषय पढ़ाते हैं, कुछ सरकारी स्कूल हैं, कुछ निजी, यहां आशय यह है कि यह पूरी तरह से राज्य द्वारा सहायता प्राप्त स्कूल है, कोई धार्मिक शिक्षा नहीं. यहां कुरान एक सब्जेक्ट के तौर पर पढ़ाया जाता है. हुजैफा अहमदी ने कहा कि धार्मिक शिक्षा और धार्मिक विषय दोनो अलग हैं, इसलिए हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगानी चाहिए.

यूपी ने हाईकोर्ट में कानून का बचाव किया ?

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से पूछा कि क्या हम यह मान लें कि राज्य ने हाईकोर्ट में कानून का बचाव किया है ? इस पर यूपी सरकार की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने कहा कि हमने हाईकोर्ट में बचाव किया था, लेकिन हाईकोर्ट द्वारा कानून को रद्द करने के बाद हमने फैसले को स्वीकार कर लिया हैं. जब राज्य ने फैसले को स्वीकार कर लिया है, तो राज्य पर अब कानून का खर्च वहन करने का बोझ नहीं डाला जा सकता.

क्या मदरसा अधिनियम के प्रावधान धर्मनिरपेक्षता की कसौटी पर खरे उतरते हैं, जो भारत के संविधान के मूल ढांचे का एक हिस्सा है ? यूपी सरकार ने कहा, ये मदरसे खुद सरकार से मिलने वाली सहायता पर चल रहे हैं, इसलिए कोर्ट को गरीब परिवारों के बच्चों के हित में ये याचिका खारिज कर देनी चाहिए. यह धारणा बनाने की कोशिश की जा रही है कि धार्मिक विषय अन्य पाठ्यक्रम के साथ हैं.वे गलत जानकारी दे हैं.

सवाल किसी डिग्री का नहीं है

यूपी सरकार की तरफ से,स्‍र नटराज ने कहा कि मदरसे चल रहे हैं, तो चलने दें लेकिन राज्य को इसका खर्च नहीं उठाना चाहिए. छात्रों को शैक्षणिक सत्र समाप्त होने पर ही प्रवेश दिया जाना चाहिए. इसमें सामान्य विषयों को वैकलपिक बनाया गया है. क्लास 10 के छात्रों के पास एक साथ गणित, विज्ञान का अध्ययन करने का विकल्प नहीं है. हाईकोर्ट के सामने ये छिपाया गया हैं कि धार्मिक शिक्षा दी जाती है. फिजिक्स, मैथ, साइंस जैसे मुख्य विषय वैकलपिक होने से ये छात्र आज की दुनिया में पिछड़ जाएंगे. किसी भी स्तर पर धर्म शामिल होना एक संदिग्ध मुद्दा है. सवाल किसी डिग्री का नहीं है, उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत तथ्यों में मैं खुद को यह कहने के लिए राजी नहीं कर सका कि उच्च न्यायालय का आदेश गलत था. हम धर्म के जाल में फंस गए हैं. केंद्र ने हाईकोर्ट में कानून का बचाव नहीं किया था. बता दें कि उत्तर प्रदेश में करीब 25 हजार मदरसे हैं. इनमें 16500 मदरसे उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड से मान्यता प्राप्त है, उनमें से 560 मदरसों को सरकार से अनुदान मिलता है. इसके अलावा राज्य में साढ़े आठ हजार गैर मान्यता प्राप्त मदरसे हैं.

योग क्रियाओं के साथ दूसरे दिन शुरू हुई आईजी/एसपी कॉन्फ्रेंस

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़, 5 अप्रैल। प्रदेश में पहली बार आयोजित किए जा रहे प्रथम पुलिस महानिरीक्षक/अधीक्षक सम्मेलन के दूसरे दिन की शुरुआत सभी पुलिस अधिकारियों ने योग क्रियाएं करते हुए की। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते हुए डीजीपी शत्रुजीत कपूर के साथ तनावमुक्त जीवन शैली अपनाने के लिए योग क्रियाएं की। पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा कि योग के माध्यम से तन और मन को स्वस्थ व शुद्ध रखा जा सकता है। योग शारीरिक, मानसिक, अध्यातमिक व सामाजिक स्वास्थ्य का साधन है। योग हमें सम्पूर्णता से जीवन जीने की राह दिखाता है और तन और मन के विकारों को दूर करता है। उन्होंने कहा कि हम योग को अपनाकर संतुलित जीवन का निर्वहन कर सकते हैं। योग से जीवन में संतुलन कायम होता है तथा हमें अनेक प्रकार की बीमारियों से मुक्ति मिलती है। योग क्रियाओ के दूसरे दिन सत्र में पुलिस अधिकारियों को विभिन्न प्रकार के योगासन करवाए गए। योगाचार्य हेमंत ने पुलिस अधिकारियों को तनाव मुक्त जीवन शैली अपनाने में योग क्रियाओ जैसे-प्राणायाम, भस्त्रिका, नाड़ी शोधन की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। इसके अलावा योग सत्र में सभी ने मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक ध्यान की क्रियाएं और गायत्री मंत्र का उच्चारण किया। योगासन के दौरान पुलिस अधिकारियों को शिथिलीकरण अभ्यास के आसन भी करवाए गए। योग आचार्य ने उष्ट्रासन, शशकासन, उत्तानमंडूकासन, वक्रासन, मक्रासन, भुजंगासन, शलभासन, सेतुबंध आसन, उत्तानपाद आसन, अर्धहलासन, पवन मुक्तासन, शवासन, कपालभाति, शीतली प्राणायम करवाया। उन्होंने योग साधकों को इन सभी आसनों से मिलने वाले लाभ के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

24 साल के युवक ने 5 साल की बच्ची से हैवानियत कर रेवाड़ी को किया शर्मशार

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

आइसक्रीम दिलाने के बहाने ले गया घर।

घर ले जाकर मासूम के साथ किया रेप।

रेवाड़ी। एक 24 वर्षीय युवक ने शहर में एक 5 साल की मासूम बच्ची के साथ रेप कर रेवाड़ी शहर को शर्मसार कर दिया है। आरोपी युवक बच्ची को आइसक्रीम दिलाने के बहाने अपने घर ले गया जहां उसके साथ घिनौनी हरकत की इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। बच्ची की हालत खराब होने पर परिजनों को पता चला। परिजनो की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ थाना शहर में पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम उसे गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के एक मोहल्ले में रहने वाला करीब 24 साल का युवक पड़ोस में ही रहने वाले एक परिवार की 5 वर्ष की बच्ची को घर के बाहर खेलते देखा आइसक्रीम दिलाने के बहाने 3 अप्रैल को अपने घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। रोती हुई बच्ची जब घर पहुंची तो परिजनों ने उसका बुरा हाल देख तुरंत शहर थाना पुलिस से संपर्क साधा। पुलिस ने बच्ची का मेडिकल भी करवाया व वारदात के बाद पुलिस की टीम आरोपी युवक के घर भी पहुंची लेकिन वह फरार था। सिटी थाना प्रभारी सुरेंद्र ने मीडिया को बताया कि आरोपी पड़ोस में ही रहने वाला युवक है, उसके खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है, आरोपी को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा उसकी गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है। इस प्रकार की घटना से पूरा शहर स्तब्ध है। बर्चचियों के माता पिता को अब अपनी बर्चचियों की सुरक्षा की चिंता सताने लगी है।

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569
स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

कायस्थ भुर्जी समाज जिला नूंह क्षेत्रीय अधिवेशन अब विवादों के गहरे में

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। जिला मुख्यालय नूंह में गत 3 अप्रैल को समाज के लोगों द्वारा कराया गया कायस्थ भुर्जी समाज जिला नूंह क्षेत्रीय अधिवेशन अब विवादों के गहरे में आ गया हैं और समाज के प्रदेश कार्यकारिणी के अलावा जिला नूंह(मेवात) की कार्यरत कार्यकारिणी ने इसका विरोध कर दिया है। जिला कार्यकारिणी ने जारी एक बयान में कहा है कि 3 अप्रैल को पटेल वाटिका नूंह में कायस्थ भुर्जी समाज के क्षेत्रीय अधिवेशन के दौरान राजू माथुर को जिला अध्यक्ष बनाये जाने में प्रदेश इकाई व कार्यरत जिला इकाई से कोई आज्ञा नहीं ली थी जबकि सन 2019 से कार्यरत जिला

इकाई के श्री चित्र गुप्त महाराज भडबुजा भुर्जी वैलफेयर सोसायटी रजि0 के वर्तमान प्रधान खूबचंद माथुर व उप प्रधान संजय सक्सेना के नेतृत्व में समाज के उत्थान के लिए कार्य कर रही हैं लेकिन उक्त संस्था के पूर्व अध्यक्ष ने गत कार्यकम को प्रदेश संस्था के संविधान के खिलाफ जाकर व बगैर सूचना दिये कार्यक्रम आयोजित कर बिरादरी के कुछ लोगों की मौजूदगी में बगैर अन्य किसी दावेदार के जिला अध्यक्ष घोषित कर पगडी धारण करने, सोशल मीडिया पर फोटो वायरल करने व अखबारों की सुर्खिंया बनने के बाद संस्था ने इसका विरोध करते हुए उनकी नियुक्ति को रदद करने , प्रदेश कार्यकारिणी से शिकायत के अलावा कानून कार्यवाही के लिए कानूनी सलाहकारों से बातचीत की जा रही है। इस बारे में संस्था के वर्तमान प्रधान खूबचंद माथुर ने बताया कि उनकी संस्था 2019 से कार्यरत हैं और जुलाई 2023 से वह समाज के उत्थान में लगे है लेकिन गत 3 अप्रैल को आयोजित एक कार्यक्रम नियमों के विरूद्व था और इसकी प्रदेश कमेटी से शिकायत की गई है। जबकि कथिततौर से जिला अध्यक्ष बनाये गये राजू माथुर ने कहा कि वह संस्था को जल्द रजिस्टर्ड करायेंगे।

राजनीतिक दल व उम्मीदवार डूज एंड डोंट्स का कड़ाई से करें अनुपालन : धीरेंद्र खडग़टा

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। जिला निर्वाचन अधिकारी धीरेंद्र खडग़टा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से लोकसभा आम चुनाव में राजनीतिक दलों व उम्मीदवारों के लिए चुनाव के दौरान क्या करें और क्या न करें यानी डूज एंड डोंट्स के दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा-निर्देशों का चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने तक अनुपालन किया जाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों व उम्मीदवारों द्वारा किसी अन्य दल या उम्मीदवार की आलोचना केवल उनकी नीतियों, कार्यक्रमों, पिछले रिकॉर्ड और कार्यों तक ही सीमित रहनी चाहिए। इसके अलावा, शांतिपूर्ण और अविवेकपूर्ण घरेलू जीवन के लिए प्रत्येक व्यक्ति के अधिकार की पूरी तरह से रक्षा की जानी चाहिए। स्थानीय पुलिस अधिकारियों को पूरी तरह से सूचित किया जाना चाहिए और प्रस्तावित बैठक के समय व स्थान की आवश्यक अनुमति समय रहते सही तरीके से ली जानी चाहिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित बैठक के स्थान पर यदि कोई प्रतिबंधात्मक या निषेधात्मक आदेश लागू है तो उन आदेशों का सम्मान किया जाना चाहिए। इसी प्रकार, प्रस्तावित बैठकों के लिए लाउडस्पीकर या ऐसी किसी अन्य सुविधा के उपयोग के लिए अनुमति प्राप्त की जानी

चुनाव के दौरान अन्य राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की आलोचना केवल उनकी नीतियों, कार्यक्रमों, पिछले रिकॉर्ड व कार्यों तक सीमित होनी चाहिए।

चाहिए और बैठकों में गड़बड़ी या अव्यवस्था पैदा करने वाले व्यक्तियों से निपटने में पुलिस सहायता प्राप्त की जानी चाहिए। किसी भी जुलूस को शुरू करने और समाप्त करने के समय व स्थान तथा मार्ग को अग्रिम रूप से फाइनल किया जाना चाहिए और पुलिस अधिकारियों से पूर्व अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। जुलूस के कारण संबंधित मार्ग पर यातायात बाधित नहीं किया जाना चाहिए।

शांतिपूर्ण व व्यवस्थित मतदान के लिए चुनाव अधिकारियों का करें सहयोग

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि शांतिपूर्ण और व्यवस्थित मतदान के लिए सभी चुनाव अधिकारियों को सहयोग करें। चुनाव में लगे सभी राजनीतिक कार्यकर्ताओं को बैज या पहचान-पत्र दिखाएं। मतदाताओं को जारी अनौपचारिक पहचान पर्ची सादे (सफेद) कागज पर होनी चाहिए और जिस पर पार्टी का कोई नाम और

निशान या उम्मीदवार का नाम नहीं होना चाहिए। प्रचार अभियान की अवधि के दौरान और मतदान के दिन वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध का पूरी तरह से पालन किया जाना चाहिए। चुनाव के संचालन के संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत या समस्या को निर्वाचन आयोग के पर्यवेक्षक, रिटर्निंग अधिकारी, जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेट, मुख्य निर्वाचन अधिकारी या भारत निर्वाचन आयोग के संज्ञान में लाया जाना चाहिए। चुनाव से संबंधित सभी मामलों में निर्वाचन आयोग या रिटर्निंग ऑफिसर या जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेश या दिशा-निर्देशों की कड़ाई से अनुपालना की जाए।

चुनाव की पवित्रता व पारदर्शिता के लिए राजनीतिक दल व उम्मीदवार नकद लेन-देन से बचें

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि लोकसभा चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा वित्तीय या अन्य किसी प्रकार का कोई प्रलोभन मतदाता को नहीं दिया जाना चाहिए। मतदाताओं की जाति या सांप्रदायिक भावनाओं के आधार पर कोई अपील नहीं की जानी चाहिए और न ही कोई ऐसी गतिविधि जो मौजूदा मतभेदों को बढ़ा सकती है या विभिन्न जातियों, समुदायों, धार्मिक और भाषायी समूहों के बीच आपसी द्वेष पैदा करती हो या तनाव पैदा करती हो, ऐसी कोई गतिविधि नहीं की जानी चाहिए। चुनाव की पवित्रता व पारदर्शिता बनाए रखने के लिए राजनीतिक दलों व उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे नकद लेन-देन से बचें और अपने उम्मीदवारों, एजेंट, कर्मियों और पदाधिकारियों को निर्देश दें कि चुनाव के दौरान वे बड़ी मात्रा में नगद राशि अपने साथ न रखें। इसके अलावा, अन्य राजनीतिक दलों या उम्मीदवारों द्वारा आयोजित सार्वजनिक बैठकों या जुलूसों में बाधा नहीं डालनी चाहिए। अन्य राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा लगाए गए पोस्टरों को हटाना या विकृत नहीं किया जाना चाहिए। वाहनों पर रात्रि 10 बजे से प्रात: 6 बजे तक लाउडस्पीकरों का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

स्वीप गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को किया जा रहा जागरूक

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। जिला प्रशासन की ओर से लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिला में लगातार स्वीप (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी) गतिविधियां आयोजित कर मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। विभिन्न विभागों की ओर से विभिन्न प्रचार माध्यमों व सोशल मीडिया के माध्यम से भी मतदाताओं को वोट डालने के प्रति प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि जिला में मतदान प्रतिशत में प्रभावी बढ़ोतरी हो। स्वीप गतिविधियों के लिए अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक को नोडल अधिकारी बनाया गया है। जिले के प्रत्येक मतदाता को प्रेरित व जागरूक करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए एक-एक मतदाता तक पहुंच कर उनके वोट की महता और लोकतंत्र के महापर्व के बारे में जानकारी दी जा रही है। जिला में यह स्वीप गतिविधियां 25 मई तक जारी रहेंगी। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धीरेंद्र खडग़टा ने बताया कि जिले में मतदाताओं को मताधिकार का उपयोग करने के प्रति जागरूक करने के लिए तीनों विधानसभा क्षेत्रों में 'मतदाता जब पहुंचे बूथ-लोकतंत्र करे मजबूत' जैसे स्लोगन व टैगलाइन से उन्हें मताधिकार के प्रति जागरूक किया जा रहा है। सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग व जिला प्रशासन नूंह की ओर से हरियाणा राज्य परिवहन की बसों में मतदान की 25 मई की तारीख व टोल फ्री नंबर 1950 के बारे में जागरूक किया जा रहा है। रोडवेज बसों पर लगने वाली मतदाता जागरुकता प्रचार सामग्री मतदाताओं को लोकतंत्र के महापर्व में मतदान करने के लिए प्रेरित कर रही है। तीनों विधानसभा क्षेत्रों में जगह-जगह लोगों को मतदान करने के प्रति प्रेरित करने के लिए पोस्टर, बैनर चस्पा किए गए हैं। इसके अलावा स्वीप गतिविधियों के तहत विभिन्न विभागों की ओर से डोर-टू-डोर संपर्क करते हुए, मुनादी करवाकर, मतदाता जागरुकता शपथ दिलाकर, व्याख्यान, हस्ताक्षर अभियान आदि के माध्यम से शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है।

राष्ट्रीय राजमार्ग-19 स्थित फुलवाड़ी मोड पर अंडरपास की मांग को लेकर ग्रामीणों ने शुक्रवार को धरना शुरू कर दिया

समाचार गेट/ज्योति खंडेलवाल

पलवल। ग्रामीणों ने अपनी मांग के समर्थन में जमकर नारेबाजी करते हुए कहा कि तीन साल से उन्हें केवल आश्वासन ही दिया जा रहा है। तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने भी आश्वासन दिया था, परंतु अंडरपास को लेकर कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि छह अप्रैल को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आगमन पर विरोध जताया जाएगा तथा राजमार्ग को जाम कर अपनी मांग रखी जाएगी। ग्रामीणों ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग को सिक्स लेन किए जाने पर गांव फुलवाड़ी मोड स्थित कट को बंद कर दिया। सड़क के दोनों तरफ बनाए गए सर्विस लेन का काम भी पूरा नहीं किया गया है। कट बंद होने से वाहन चालक विपरीत दिशा में चलते हैं, जिससे आए दिन हादसे होते रहते हैं। गांव के कई लोग सड़क दुर्घटना में अपनी जान गवां चुके हैं। चौक पर अंडरपास बनाने को लेकर कई बार

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर से मांग कर चुके हैं, परंतु तीन साल से केवल आश्वासन ही मिल रहा है। गुर्जर ने एक अप्रैल से अंडर पास का कार्य शुरू होने का आश्वासन दिया था, परंतु यहां पर अभी तक कोई काम शुरू नहीं हुआ है। मजबूरन उन्हें धरना देना पड़ रहा है। अंडरपास की मांग वे तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल से भी कर चुके हैं। ग्रामीणों ने कहा कि यदि अंडरपास बनाने की मांग को लेकर छह अप्रैल को औरंगाबाद में आयोजित मुख्यमंत्री जनसभा में विरोध जताया जाएगा। यदि फिर भी मांग नहीं मानी गई तो राजमार्ग को जाम भी किया जा सकता है। गांव के लोग जल्द ही इस बारे में निर्णय लेंगे। धरने में सुभाष फौजी, नरेश नेता, राजकुमार अंतु, बेदन पोसवाल, महेंद्र, लक्खीराम, संदीप सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

धरना की सूचना मिलते ही पहुंचे अधिकारी : फुलवाड़ी मोड पर धरने की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए और लोगों को समझाने का प्रयास किया, परंतु ग्रामीण नहीं माने। उसके बाद तहसीलदार प्रेम प्रकाश ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में धरने पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाया कि उनकी मांग को मुख्यमंत्री तक पहुंचाकर समाधान कराया जाएगा, परंतु उसके बावजूद भी ग्रामीणों ने धरना जारी रखा।

हरियाणा रोडवेज रिटायरमेंट कर्मचारी संघ की जिला इकाई ने शुक्रवार को अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया

समाचार गेट/ज्योति खंडेलवाल

पलवल। बस स्टैंड परिसर में आयोजित प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने मांग न माने जाने पर सरकार का विरोध करने की बात कही। कर्मचारियों की मुख्य मांग कैश लैश मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने की रही। यूनियन नेता सुखराम ने कहा कि कैश लैश मेडिकल सुविधा न होने से कर्मचारियों व उनके आश्रितों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है।

बीमार होने पर उन्हें अस्पताल में पहले पूरी रकम भरनी पड़ती है तथा बाद में उनका विभाग से बिल पास किया जाता है, वह भी पूरा पास नहीं किया जाता है। इसके अलावा नियमित रूप से उनका महंगाई भत्ता बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने उनकी मांगें नहीं मानी तो सरकार के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा।

गुढ़ा के दादा छाजुवीर आश्रम में हवन व भंडारा 11 को

सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना उपमंडल के गांव गुढा स्थित दादा छाजुवीर आश्रम में आगामी 11 अप्रैल बृहस्पतिवार को भंडारे का आयोजन किया जायेगा। इस बारे में मा. संतोष यादव ने बताया कि सुबह सवा 7 बजे हवन का आयोजन होगा जिसमें प्रबुध ग्रामीण आहुति डालेगें। उसके बाद सवा 9 बजे भंडारा प्रारंभ होगा जिसमें श्रधालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा।

जिला आयुष विभाग की मासिक बैठक शुक्रवार को जिला कार्यालय पर संपन्न

समाचार गेट/ज्योति खंडेलवाल

पलवल। जिला आयुष अधिकारी डॉ.संजीव कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सभी आयुष संस्थाओं में आम जन को मिलने वाली सुविधाओं पर चर्चा की गई तथा मासिक रिपोर्ट का आकलन किया। इस दौरान आयुष संस्थाओं में आने वाले रोगियों को स्वच्छता के लिए जागरूक करने के लिए निर्देश दिए गए। बैठक में डॉ.प्रवेश अग्रवाल ने साबुन के अत्यधिक प्रयोग से शरीर पर होने वाले प्रभावों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि साबुन के अत्यधिक प्रयोग से शरीर पर रहने वाले मित्र बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं तथा चर्म रोगों की होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए साबुन का प्रयोग कम करें। मुल्तानी मिट्टी या उबटन जैसे प्राकृतिक उपायों का प्रयोग ज्यादा करें। उन्होंने कहा कि नागरिक अस्पतालों में रोगियों के साथ आने वाले परिजनों एवं सहायकों के लिए योग कक्षा शुरू की गई है, जिसमें आयुष योग सहायक ज्ञानचंद, नेहा रानी, जितेंद्र, संयोगिता, धीरज, शशि सहरावत की रोस्टर से ड्यूटी लगाई गई है। डॉ.संजीव कुमार ने कहा कि रोगियों के साथ आने वाले परिजनों व सहायकों के मानसिक और शारीरिक तनाव को कम करना तथा ऊर्जावान बनाना योग कक्षा का उद्देश्य है।